दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K✌K RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-134 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शनिवार 04 जुलाई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

राम मंदिर के बाद अब बदरीनाथ धाम में हेरफेर के आरोप, जांच के आदेश; खंगाले जा रहे सीसीटीवी फुटेज

चमोली/ देहरादून (ए.) । अयोध्या के राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी का मामला सामने आने के बाद बदरीनाथ धाम में भी चढ़ावे और दान में कथित हेराफेरी का मामला सामने आया है।

इस पर बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) ने जांच के आदेश दे दिए हैं। समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कहा है कि मंदिर समिति ने आरोपों को अत्यंत गंभीरता से लिया है। पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और तथ्यपरक जांच होगी। जांच रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

कौन करेगा जांच?

मंदिर समिति ने आरोपों की जांच के लिए समिति गठित करने के आदेश दे दिए हैं। इस मामले में स्पष्टीकरण भी तलब किया गया है। जांच पूरी होने के बाद अगर कोई कर्मचारी दोषी पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई करने की बात कही गई है। बता दें कि 2025 में बदरीनाथ धाम में 51 लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे थे।

सोशल मीडिया के दावों में किसका जिक्र?

समिति के अध्यक्ष ने कहा कि सोशल मीडिया पर जिस कर्मचारी को उनका निजी सचिव बताया जा रहा है, वह असल में उनका निजी सचिव नहीं है। वह बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति का नियमित सरकारी कर्मचारी है। वह वैयक्तिक सहायक के रूप में पूर्व में भी मंदिर समिति के तीन अध्यक्षों के साथ कार्य कर चुका है। सोशल मीडिया पर उसके संबंध में प्रसारित किए जा रहे आरोप सही पाए जाते हैं, तो दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

भैरव सेना ने क्या कहा?

भैरव सेना संगठन ने बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष से जुड़े कर्मचारी पर आर्थिक हेराफेरी के गंभीर आरोप लगाए हैं।

उफान पर शिप्रा, पानी में समाए घाट-मंदिर; उफनती पुलिया में बहे सहायक सचिव

उज्जैन (ए.) । उज्जैन, देवास और इंदौर में मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। शिप्रा नदी उफान पर है और रामघाट के कई मंदिर जलमग्न हो गए हैं। वहीं बड़नगर में शॉर्टकट के चक्कर में उफनती पुलिया पार कर रहे सहायक सचिव बाइक समेत बह गए। 13 घंटे बाद भी उनका कोई सुराग नहीं मिला। जगोटी में भी एक युवक रपट पुलिया पर बाइक समेत बह गया, हालांकि तैरकर उसने अपनी जान बचा ली।

शिप्रा के उफान से डूबे रामघाट के मंदिर

लगातार बारिश से उज्जैन में शिप्रा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। रामघाट समेत कई घाटों पर बने छोटे-बड़े मंदिर आंशिक रूप से डूब गए हैं। शिप्रा ब्रिज की छोटी रपट पानी में डूबने के कारण श्रद्धालुओं की आवाजाही रोक दी गई है। एहतियातन होमगार्ड और पुलिस के जवान घाटों पर तैनात हैं, जो पेट्रोलिंग कर लोगों को गहरे पानी में जाने से रोक रहे हैं। होमगार्ड घाट प्रभारी ईश्वर लाल चौधरी का कहना है कि यह जलस्तर फिलहाल सामान्य है। बारिश के दौरान शिप्रा इससे कई गुना अधिक उफान पर रहती है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है।

52 कुंड पर भी पानी का तेज बहाव देखने को मिला। पानी की तेज धार ने यहां का नजारा पूरी तरह बदल दिया। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि तेज बहाव के दौरान नदी और कुंड के किनारे जाने या पानी के पास जाने की लापरवाही न करें।

शॉर्टकट के चक्कर में बह गए सहायक सचिव

दूसरी ओर, बड़नगर तहसील के गावड़ी लोधा में गुरुवार रात एक दर्दनाक हादसा हुआ। ग्राम पंचायत के सहायक सचिव सूर्य प्रताप सिंह सोनगरा बड़नगर से लौटते समय गांव की पुरानी उफनती पुलिया पार कर रहे थे। उनके साथी कृष्ण पाल सिंह अधिक पानी देखकर बाइक से उतर गए, लेकिन सूर्य प्रताप बाइक निकालने लगे और तेज बहाव में बाइक सहित बह गए। रात एक बजे उनकी बाइक करीब 50 मीटर दूर मिल गई, लेकिन शुक्रवार दोपहर तक सूर्य प्रताप का कोई पता नहीं चला।

एसडीआरएफ और पुलिस की टीम सर्च ऑपरेशन चला रही है। इंगोरिया थाना प्रभारी दीपेश व्यास ने बताया कि नया रास्ता उपलब्ध होने के बावजूद वे शॉर्टकट के चक्कर में पुरानी पुलिया से निकले, जिससे यह हादसा हुआ।

ग्रामीणों की चेतावनी अनसुनी करना युवक को पड़ा भारी

इसी तरह जगोटी-खेड़ा खजुरिया मार्ग पर झालड़ा खाल की रपट पुलिया पर जगोटी निवासी केशु आंजना खेत से लौटते समय ग्रामीणों के मना करने के बावजूद बाइक हाथ में पकड़कर पुलिया पार करने लगा। तेज बहाव में वह बाइक सहित बह गया।

गनीमत रही कि तैरना जानने के कारण उसने किनारे की झाड़ियां पकड़कर अपनी जान बचा ली, लेकिन उसकी बाइक बह गई। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि बारिश के दौरान उफनते नदी-नालों और रपट पुलियाओं को पार करने का जोखिम न लें।

30 से ज्यादा जिलों में झमाझम, इंदौर में सबसे ज्यादा 59 मिमी बारिश, भोपाल में 35 मिमी बरसे बादल

भोपाल (ए.) । मध्यप्रदेश में मानसून पूरी तरह सक्रिय हो गया है। शुक्रवार को प्रदेश के 30 से अधिक जिलों में हल्की से तेज बारिश दर्ज की

गई। सबसे ज्यादा बारिश इंदौर में 59 मिमी रिकॉर्ड हुई। इसके बाद मंडला में 44 मिमी, भोपाल में 35 मिमी, मलांजखंड में 30 मिमी, दतिया में 23 मिमी, बैतूल में 22 मिमी, नर्मदापुरम में 20 मिमी और रतलाम में 19 मिमी वर्षा हुई। लगातार बारिश के कारण प्रदेश के अधिकांश शहरों में तापमान सामान्य से नीचे पहुंच गया और लोगों को गर्मी व उमस से राहत मिली।

इन जिलों में सबसे ज्यादा बारिश

मौसम विभाग के शाम 5:30 बजे तक के आंकड़ों के मुताबिक इंदौर में 59 मिमी बारिश दर्ज की गई। मंडला में 44 मिमी, भोपाल में 35 मिमी, मलांजखंड में 30 मिमी, दतिया में 23 मिमी, बैतूल में 22 मिमी, नर्मदापुरम में 20 मिमी, रतलाम में 19 मिमी, धार में 12 मिमी, दमोह में 10 मिमी, पचमढ़ी में 10 मिमी, खजुराहो और जबलपुर में 7-7 मिमी, सागर, उमरिया और सिवपुरी में 6-6 मिमी, गुना और नरसिंहपुर में 4-4 मिमी, ग्वालियर, छिंदवाड़ा और चंदेरी क्षेत्र में 3 मिमी के आसपास बारिश रिकॉर्ड की गई।

भोपाल का मौसम हुआ सुहाना

राजधानी भोपाल में पिछले 24 घंटे में 17.8 मिमी और शुक्रवार सुबह से शाम 5:30 बजे तक 35 मिमी बारिश हुई। बारिश के कारण अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से करीब 4.6 डिग्री कम रहा। हवा में नमी 97 प्रतिशत तक पहुंच गई।

सोनम को फिलहाल राहत, सुप्रीम कोर्ट ने जमानत पर रोक लगाने से किया इनकार

नई दिल्ली (ए.)। राजा रघुवंशी हनीमून मर्डर केस में मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी को मिली जमानत पर सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल रोक लगाने से इनकार कर दिया है। हालांकि शीर्ष अदालत ने पहली नजर में हाईकोर्ट के फैसले पर सवाल भी उठाए हैं। अदालत ने कहा कि हाईकोर्ट के फैसले पर कुछ प्रारंभिक टिप्पणियां हैं, लेकिन चूंकि सोनम पहले ही जेल से रिहा हो चुकी हैं, इसलिए इस स्तर पर जमानत पर रोक नहीं लगाई जा सकती। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने मेघालय सरकार की याचिका पर नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

सुनवाई के दौरान मेघालय सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने हाईकोर्ट के फैसले को बेहद चौंकाने वाला बताया। उन्होंने अदालत को बताया कि यह मामला एक सुनियोजित हत्या का है, जिसमें हनीमून पर गए राजा रघुवंशी की हत्या कर शव को गहरी खाई में फेंक दिया गया था। उनके अनुसार, इस वारदात में सोनम समेत अन्य आरोपी भी शामिल थे। उन्होंने यह भी कहा कि हत्या के बाद सोनम फरार हो गई थीं और बाद में उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार की गई थीं। सरकार ने अदालत को यह भी बताया कि मामले में 94 गवाह हैं और मुकदमे की सुनवाई जारी है।

क्या टाइपिंग की गलती जमानत का आधार बन गई?

सॉलिसिटर जनरल ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि हाईकोर्ट ने केवल इस आधार पर सोनम को जमानत दी कि गिरफ्तारी दस्तावेजों में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) की जगह गलती से धारा 403(1) लिख दी गई थी। उन्होंने कहा कि भारतीय न्याय संहिता में धारा 403 अस्तित्व में ही नहीं है और यह सिर्फ टाइपिंग की त्रुटि थी। मजिस्ट्रेट ने गिरफ्तारी के समय आरोपी को हत्या के आरोप और गिरफ्तारी के आधार स्पष्ट रूप से बताए थे। इसलिए केवल एक तकनीकी गलती के आधार पर जमानत देना उचित नहीं माना जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर क्या टिप्पणी की?

सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरश ने कहा कि पहली नजर में हाईकोर्ट के फैसले को लेकर अदालत के मन में कुछ सवाल हैं। उन्होंने आरोपी पक्ष से पूछा कि जब पहले की जमानत याचिकाओं में गिरफ्तारी के आधार नहीं बताए जाने का मुद्दा नहीं उठाया गया, तो बाद में अचानक यही आधार कैसे बना। अदालत ने यह भी पूछा कि क्या केवल गलत धारा लिखे जाने के कारण जमानत देना सही था, जबकि पहले मेरिट के आधार पर राहत से इनकार किया जा चुका था। हालांकि अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि चूंकि सोनम पहले ही रिहा हो चुकी हैं, इसलिए फिलहाल जमानत पर रोक लगाने का आदेश नहीं दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री अमरनाथ यात्रा के शुभारंभ पर श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्री अमरनाथ की पावन यात्रा के शुभारंभ पर समस्त श्रद्धालुओं और बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए जाने वाले तीर्थ यात्रियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा है कि बाबा बर्फानी आस्था, भक्ति और सनातन संस्कृति के गौरव का प्रतीक हैं। बाबा बर्फानी की असीम कृपा से यह पावन यात्रा सभी श्रद्धालुओं के लिए मंगलमय, सुरक्षित और पुण्यदायी हो। देवादिदेव महादेव सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करें और सभी के मनोरथ पूर्ण हों, यही कामना है।

राम मंदिर चंदा चोरी पर आरएसएस ने पहली बार बयान दिया, कहा-राम भक्तों की भावना को आघात पहुंचा

नईदिल्ली (आरएनएस)। अयोध्या के राम मंदिर में हुई चंदा चोरी के मामले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का पहली बार बयान आया है। आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने एक्स पर हिंदी और अंग्रेजी में जारी एक वीडियो में कहा कि दान पात्रों में जमा राशि की चोरी की दुर्भाग्यपूर्ण घटना से समाज और राम भक्तों की भावनाको आघात पहुंचा है और सभी आहत हैं। उन्होंने जांच में दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

होसबाले ने आगे कहा, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के आग्रह पर उत्तर प्रदेश सरकार ने विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन कर उसकी अनुशंसा पर क़ानूनी प्रक्रिया प्रारंभ की है। उन्होंने कहा कि आरएसएस और समाज की ट्रस्ट से अपेक्षा है कि घटना को असाधारण मान गंभीर कदम उठाए ताकि लोगों की आस्था बनी रहे। उन्होंने कहा कि वर्तमान भ्रम और असमंजस की स्थिति समाप्त होनी चाहिए।

उन्होंने कहा, मौजूदा उलझन और अनिश्चितता खत्म होनी चाहिए. इस नज़रिए से, हमारी उम्मीद है कि मंदिर मैनेजमेंट और बनाई गई स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम सभी जरूरी कदम उठाएगी. हमें विश्वास है कि सही फाइनेंशियल मैनेजमेंट, बिना किसी रुकावट के, पारदर्शी सिस्टम के साथ काम

करने और पवित्रता, पवित्रता और गहरी धार्मिकता से भरे माहौल के ज़रिए, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट हिंदू समाज की आस्था और भरोसे को मज़बूत करता रहेगा.

ई-रिक्शा बंद करने वाले बीएटी-बीएमएस और अन्य ऐप्स पर सरकार ने लगाया प्रतिबंध

नईदिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने बीएटी-बीएमएस और इपोच ली-आयन नाम के दो मोबाइल ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर और ऐपल ऐप स्टोर से हटाने का आदेश दिया है। इन ऐप्स के जरिए दिल्ली में कई ई-रिक्शा को दूर से बंद किए जाने की शिकायतें सामने आई थीं। सरकार का कहना है कि इनका गलत इस्तेमाल लोगों को परेशानी में डाल रहा था। इसी वजह से इन ऐप्स को हटाने का फैसला लिया गया, ताकि ऐसे मामलों पर रोक लगाई जा सके।

भाई ने मिटाया बहन का सिंदूर: बीवी को मनाने गया था पति, साले ने पेट्रोल डाल लगा दी आग

तरनतारन (ए.) । अमृतसर जिले के गांव लोपोके निवासी लवप्रीत सिंह अपनी पत्नी संदीप कौर को मनाने के लिए उसके मायके गांव संघा पहुंचे थे। इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि गुस्से में आए साले साजन सिंह ने लवप्रीत सिंह पर तेल डालकर आग लगा दी। पंजाब के तरनतारन जिले के गांव संघा में शुक्रवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां पत्नी को मनाने उसके मायके पहुंचे युवक पर उसके साले ने कथित तौर पर तेल डालकर आग लगा दी। इस भयावह घटना में युवक की मौत हो गई, जबकि उसे बचाने के लिए आगे आई आरोपी की भाभी भी गंभीर रूप से झुलस गईं और इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई।

साजन ने लवप्रीत पर तेल डालकर लगा दी आग

जानकारी के अनुसार, अमृतसर जिले के गांव लोपोके निवासी लवप्रीत सिंह अपनी पत्नी संदीप कौर को मनाने के लिए उसके मायके गांव संघा पहुंचे थे। इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि गुस्से में आए साले साजन सिंह ने लवप्रीत सिंह पर तेल डालकर आग लगा दी।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर डीएमके विधायक राधाकृष्णन गिरफ्तार

थूथुकुडी, (आरएनएस)। मद्रास हाईकोर्ट ने आज सुबह डीएमके विधायक अनीता राधाकृष्णन की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी. उन पर मुख्यमंत्री विजय के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने का केस दर्ज किया गया था. ऐसे में पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर कार्रवाई की है।

डीएमके की तरफ से 20 जून को तिरुचेंदूर के पास अट्टूर बागुटी में पूर्व मुख्यमंत्री करुणानिधि के जन्मदिन के मौके पर एक पब्लिक मीटिंग हुई. मीटिंग में तिरुचेंदूर सीट से डीएमके विधायक अनीता राधाकृष्णन ने मुख्यमंत्री विजय की कड़ी आलोचना करते हुए कहा था, मुख्यमंत्री विजय फिल्म इंडस्ट्री वाली सोच में हैं. ऐसे में टीवीके के सिटी सेक्रेटरी सेल्वम ने विजय के खिलाफ एकतरफा और बदनाम करने वाले तरीके से बात करने के लिए अट्टूर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

इस शिकायत के आधार पर अट्टूर पुलिस ने विधायक अनीता राधाकृष्णन के खिलाफ केस दर्ज किया. अनीता राधाकृष्णन ने मद्रास हाई कोर्ट में एंटीसिपेटरी बेल के लिए एक पिटीशन दायर की थी क्योंकि पुलिस इस मामले में उन्हें कभी भी गिरफ्तार कर सकती थी।

इसमें उन्होंने कहा कि उन्होंने एक विपक्षी विधायक के तौर पर जनता की नाराजगी और रूलिंग पार्टी के कामों के विरोध के बारे में बात की थी, और उनके पॉलिटिकल विचारों को सीरियसली लेने के बजाय, पॉलिटिकल वजहों से उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया था।

यह केस आज जज जी.के. इलैंडिरियन के सामने सुनवाई के लिए आया. उस समय उनकी तरफ से पेश सीनियर वकील अनीता राधाकृष्णन ने दलील दी, पुलिस ने केस दर्ज करने के लिए अपनी पावर का गलत इस्तेमाल किया. उन्होंने सिर्फ सरकार की एडमिनिस्ट्रेटिव कमियों के बारे में बात की है. उन्होंने किसी का पर्सनली जिक्र नहीं किया. चूंकि डिफेमेशन केस फाइल करने का कोई बेसिस नहीं है, इसलिए केस कैंसल कर देना चाहिए।

दिल्ली पुलिस का ड्रग्स तस्करी नेटवर्क पर बड़ा एक्शन, 9 करोड़ के चरस बरामद; तीन नेपाली नागरिक गिरफ्तार

नई दिल्ली (आरएनएस)। राजधानी दिल्ली में दक्षिण जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करी नेटवर्क का पर्दाफाश करने का दावा किया है. पुलिस ने करीब 9 करोड़ रुपये कीमत की 8.598 किलो हाई क्वालिटी चरस बरामद करते हुए तीन नेपाली नागरिकों को गिरफ्तार किया है. शुरुआती जांच में सामने आया है कि यह नेटवर्क भारत-नेपाल सीमा के रास्ते चरस दिल्ली लाकर व्हाट्सएप के जरिए दिल्ली-एनसीआर में सप्लाई करता था।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम को सूचना मिली थी कि कोटला मुबारकपुर इलाके में रहने वाले कुछ लोग बड़े पैमाने पर चरस की तस्करी कर रहे हैं. सूचना मिलने के बाद पुलिस ने कई दिनों तक निगरानी की और फिर 29 जून को आरोपियों के ठिकाने पर छापेमारी की. कार्रवाई के दौरान पुलिस ने तीन नेपाली नागरिकों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 8 किलो 598 ग्राम हाई क्वालिटी चरस बरामद की. पुलिस के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में इस चरस की कीमत करीब 9 करोड़ रुपये आंकी गई है।

भरत थापा, गोविंद बुढ़ा और ज्योति पुन मगर के रूप में गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हुई है. जांच में सामने आया कि ज्योति पुन मगर इस नेटवर्क का मुख्य सप्लायर था, जो भारत-नेपाल सीमा के सोनौली बॉर्डर से चरस दिल्ली लाता था. इसके बाद भरत थापा और गोविंद बुढ़ा दिल्ली-एनसीआर के अलग-अलग इलाकों में इसकी सप्लाई करते थे।

K✌K राजधानी समाचार

शनिवार 04 जुलाई 2026,नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

किसानों से सीधे संवाद के लिए राजधानी से लेकर मैदानी स्तर तक किये जाये कार्यक्रम आयोजित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

खेती की लागत कम करना और किसानों की आय बढ़ाना हमारी प्राथमिकता

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसानों का कल्याण राज्य सरकार का कर्तव्य है। खेती की लागत कम करने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए गतिविधियों को प्राथमिकता पर लिया जाना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष घोषित किया गया है। कृषकों के हित संवर्धन के लिए लागू कार्यक्रमों और योजनाओं का क्रियान्वयन मिशन मोड में किया जाए। किसानों से सीधे संवाद के लिए राजधानी से लेकर मैदानी स्तर तक कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। दुग्ध उत्पादन किसानों की आय बढ़ाने के लिए विशेष रूप से सहायक है। किसानों को उन्नत नस्ल की गाय उपलब्ध कराने में निजी संस्थाओं का सहयोग भी लिया जाए। ग्रामीण स्तर पर इस तरह के केन्द्रों का अधिक से अधिक विस्तार हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कृषक कल्याण वर्ष के अंतर्गत अब तक हुए कार्यक्रमों की मंत्रालय में समीक्षा कर रहे थे। बैठक में आगामी प्रस्तावित कार्यक्रमों के संबंध में भी अधिकारियों को निर्देश दिए गए। बैठक में किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना, मुख्य सचिव अनुराग जैन तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सहकारी समितियों की प्रक्रियाओं का डिजिटलाइजेशन हो

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को कम पानी और अल्प अवधि की फसलों के लिए जागरूक किया जाए। फसल चक्र में परिवर्तन और प्राकृतिक व जैविक खेती के प्रोत्साहन के लिए वातावरण बनाना आवश्यक है। खेती-किसानी से जुड़े स्थानीय पर्व और त्यौहारों तथा फसल चक्र के अनुसार किसानों से संवाद स्थापित किया जाए। सुगमता और सरलता सुनिश्चित करते हुए सहकारी समितियों की प्रक्रियाओं का डिजिटलाइजेशन किया जाए।

सभी जिलों में बलराम कृषि महोत्सव और संभागीय मुख्यालयों पर होंगे फूड फेस्टिवल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में जानकारी दी गई कि ऑनलाईन किसान क्रेडिट कार्ड पोर्टल और किसानों के लिए ई-पासबुक सुविधा का शुभारंभ जुलाई माह में ही किया जाएगा। राज्य स्तरीय सहकारिता सम्मेलन का आयोजन भी होगा। उत्कृष्ट कार्य करने वाले मैदानी कार्यकर्ताओं तथा पशुपालकों को पुरस्कृत और सम्मानित करने के लिए उज्जैन में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन होगा। प्रदेश के सभी जिलों में बलराम कृषि महोत्सव आयोजित किए जाएंगे और सभी संभागीय मुख्यालयों पर फूड फेस्टिवल होंगे।

इंदौर में होगा सब्जी महोत्सव और एक्वाकल्चर मार्केटिंग सिम्पोजियम

बैठक में बताया गया कि खरगौन में राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन और कपास एवं मिर्च महोत्सव के आयोजन की योजना है। अन्तर्देशीय मत्स्य पालन और जलीय कृषि पर जबलपुर में कार्यक्रम होगा। इसी प्रकार जबलपुर में ही कुक्कुट पालकों और उद्यमियों का सम्मेलन भी आयोजित किया जाएगा। बुरहानपुर में केला महोत्सव, उज्जैन में हाईटेक नर्सरी और संरक्षित खेती पर कार्यशाला, सागर और रतलाम में कृषक उत्पादक संगठन (एफपीओ) का राज्य स्तरीय सम्मेलन, नीमच में उद्यानिकी में आधुनिक तकनीक पर कार्यशाला, इंदौर में सब्जी महोत्सव तथा एक्वाकल्चर मार्केटिंग सिम्पोजियम और भोपाल पराली प्रबंधन पर कार्यशाला के साथ ही नरसिंहपुर में गन्ना महोत्सव के अंतर्गत राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन भी प्रस्तावित है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार दो दिवसीय प्रवास पर आज आएंगे मध्यप्रदेश

भोपाल (निप्र)। भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार 4 और 5 जुलाई को दो दिवसीय प्रवास पर मध्यप्रदेश आ रहे हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त का पदभार संभालने के बाद यह उनका पहला मध्यप्रदेश दौरा है। दो दिवसीय दौरे के दौरान मुख्य निर्वाचन आयुक्त इंदौर में बूथ लेवल ऑफिस से बात करेंगे एवं दूसरे दिन ओंकारेश्वर और महेश्वर के भ्रमण पर रहोगे।

इंदौर में जुटेंगे 5 जिलों के 1500 से अधिक बीएलओ

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त 4 जुलाई को इंदौर पहुंचेंगे। यहां पर लता मंगेशकर सभागृह में आयोजित बीएलओ कॉन्फ्रेंस में शामिल होंगे। इसे दौरान वे इंदौर, उज्जैन, देवास, धार और खंडवा जिले के 1,500 से अधिक बूथ लेवल अधिकारियों (BLOs) के साथ संवाद करेंगे।

उल्लेखनीय है कि ज्ञानेश कुमार देश के ऐसे पहले मुख्य निर्वाचन आयुक्त हैं, जिन्होंने जमीनी स्तर पर चुनाव व्यवस्था को मजबूत करने के लिए इससे पहले दिल्ली में भी बीएलओ और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों के साथ सीधे संवाद की अनूठी पहल की थी।

बालाघाट में बाढ़ में फंसे ग्रामीणों के लिए मध्यप्रदेश पुलिस बनी जीवनरक्षक

16 ग्रामीणों को सुरक्षित निकाला गया

भोपाल (निप्र)। प्रदेश में लगातार हो रही वर्षा के बीच मध्यप्रदेश पुलिस आपदा की प्रत्येक स्थिति में आमजन की सुरक्षा के लिए पूरी संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ कार्य कर रही है। इसी क्रम में बालाघाट जिले के थाना किरनापुर क्षेत्र में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में फंसे 16 ग्रामीणों का पुलिस, एसडीआरएफ एवं हॉक फोर्स के संयुक्त अभियान के माध्यम से सफलतापूर्वक सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। लगातार हो रही मूसलाधार वर्षा के कारण थाना किरनापुर क्षेत्र के ग्राम भानपुर में खेतों पर कृषि कार्य करने गए लगभग 16 ग्रामीण अचानक बढ़ते जलस्तर के कारण चारों ओर से बाढ़ के पानी में घिर गए। नदी-नालों का जलस्तर तेजी से बढ़ने से उनके वापस लौटने का मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया और सभी ग्रामीण बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में फंस गए। घटना की सूचना मिलते ही थाना किरनापुर पुलिस ने बिना विलंब किए थाना हट्टा पुलिस, राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) एवं हॉक फोर्स की टीम के साथ संयुक्त रेस्क्यू अभियान प्रारंभ किया। तेज बहाव एवं विषम परिस्थितियों के बावजूद टीम ने साहस, सूझबूझ और उत्कृष्ट समन्वय का परिचय देते हुए बाढ़ प्रभावित क्षेत्र तक पहुंचकर सभी 16 ग्रामीणों को सुरक्षित बाहर निकाला तथा सकुशल सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। समय पर की गई त्वरित कार्रवाई के कारण किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

खिवनी अभयारण्य से लाए गए घायल बाघ "युवराज" का वन विहार में हो रहा उपचार

भोपाल (ए.)। खिवनी अभयारण्य, देवास में आपसी संघर्ष में गंभीर रूप से घायल हुए नर बाघ 'युवराज' का वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल के

रेस्क्यू सेंटर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उपचार किया जा रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर बाघ को 27 जून 2026 को रेस्क्यू कर वन विहार लाया गया था। शुक्रवार को उसकी स्थिति का विस्तृत चिकित्सकीय परीक्षण राज्य पशु चिकित्सालय, जहांगीराबाद के वरिष्ठ वेटरिनरी सर्जन डॉ. एस.के. तुमड़िया, वन विहार के वरिष्ठ वन्यप्राणी स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अतुल गुप्ता तथा वन विहार के पशु चिकित्सक डॉ. विनीत द्वारा किया गया।

अब पॉवर जनरेटिंग कंपनी के कार्मिकों के घरों पर चमकेगी सौर ऊर्जा : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

भोपाल (निप्र)। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड (MPPGCL) ने अपने कार्मिकों के लिए एक महत्वपूर्ण और दूरगामी पहल करते हुए सोलर रूफटॉप प्लांट योजना लागू की है। ऊर्जा विभाग के निर्देशों के अनुरूप जारी इस योजना से कंपनी के सभी नियमित कार्मिकों को अपने आवास पर सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित कराने की सुविधा मिलेगी।

सरल प्रक्रिया और सर्वाधिक लाभ

अब इच्छुक कार्मिक प्रदेश की संबंधित विद्युत वितरण कंपनी (डिस्कॉम) की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे और सूचीबद्ध विक्रेताओं में से अपनी पसंद के विक्रेता का चयन कर सोलर प्लांट स्थापित करा सकेंगे। पूरी प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाया गया है ताकि अधिक से अधिक कार्मिक इसका लाभ उठा सकें। इस योजना के तहत 3 किलोवाट तक की क्षमता वाले सोलर रूफटॉप प्लांट की स्थापना के लिए विद्युत वितरण कंपनी पात्रता के अनुसार निर्धारित राशि का 50 प्रतिशत सीधे चयनित विक्रेता

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने शुक्रवार को मंत्रालय में मध्यप्रदेश एनुअल क्रेडिट प्लान वित्त विभाग और राष्ट्रीयकृत बैंक प्रतिनिधियों की उपस्थिति में जारी किया।

राम मंदिर चंदा विवाद पर दिग्विजय का बड़ा ऐलान, 2 अक्टूबर से उज्जैन-अयोध्या पदयात्रा करेंगे

भोपाल (ए.)। राम मंदिर निर्माण के लिए जुटाए गए चंदे में कथित अनियमितताओं को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने 2 अक्टूबर से बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन से रामनगरी अयोध्या तक करीब 1000 किलोमीटर पदयात्रा निकालने की घोषणा की है। उनका कहना है कि यात्रा का उद्देश्य राम मंदिर चंदे और धार्मिक संस्थानों में कथित वित्तीय अनियमितताओं के खिलाफ आवाज उठाना है।

घर के बाहर लगाया चंदा चोरों का प्रवेश वर्जित बोर्ड

शुक्रवार को भोपाल स्थित अपने आवास के बाहर दिग्विजय सिंह ने चंदा चोरों का प्रवेश वर्जित लिखे पोस्टर लगवाए। उन्होंने आरोप लगाया कि राम मंदिर में चढ़ावे और चंदे में कथित गड़बड़ी कर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के साथ खिलवाड़ किया गया है।

चंदा वापस लेकर दूसरे ट्रस्ट को दूंगा

दिग्विजय सिंह ने कहा कि उन्होंने राम मंदिर निर्माण के लिए दो बार चंदा दिया था। अब वह अदालत में याचिका दायर कर अपना चंदा वापस मांगेंगे। उनका कहना है कि यदि राशि वापस मिलती है तो उसे किसी अन्य धार्मिक ट्रस्ट को दान करेंगे।

महाकाल मंदिर क्षेत्र का भी किया जिक्र

पूर्व मुख्यमंत्री ने उज्जैन के महाकाल मंदिर क्षेत्र में जमीन और वीआईपी दर्शन व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि मंदिर परिसर के आसपास की जमीन का व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा है और वीआईपी दर्शन के नाम पर पैसे वसूले जा रहे हैं।

2 अक्टूबर से शुरू होगी पदयात्रा

दिग्विजय सिंह ने बताया कि पदयात्रा 2 अक्टूबर को उज्जैन से शुरू होकर अयोध्या पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि यह यात्रा पूरी तरह गैर-राजनीतिक होगी। इसमें किसी भी राजनीतिक दल का झंडा नहीं रहेगा। यात्रा में वे सभी लोग शामिल हो सकेंगे, जो भगवान श्रीराम में आस्था रखते हैं और मंदिर निर्माण के लिए चंदा दे चुके हैं। उन्होंने कहा कि पदयात्रा के दौरान वह सोशल मीडिया का उपयोग नहीं करेंगे और पूरे अभियान को जनसंपर्क के माध्यम से आगे बढ़ाएंगे।

दिग्विजय पर टिप्पणी पड़ी भारीः कांग्रेस ने निधि चतुर्वेदी को थमाया नोटिस, प्रियंका किरार से भी मांगा जवाब

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश कांग्रेस में सोशल मीडिया पर पार्टी नेताओं के खिलाफ की गई टिप्पणियों को लेकर संगठन ने सख्त रुख अपनाया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह पर टिप्पणी करने वाली प्रदेश महासचिव और पूर्व सांसद सत्यव्रत चतुर्वेदी की बेटी निधि चतुर्वेदी तथा महिला उत्पीड़न प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष प्रियंका किरार को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। दोनों को सात दिन के भीतर अपना पक्ष रखने के लिए कहा गया है। जवाब संतोषजनक नहीं होने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

सोशल मीडिया पोस्ट बनी कार्रवाई की वजह

प्रदेश कांग्रेस के संगठन प्रभारी महासचिव डॉ. संजय कामले की ओर से जारी नोटिस में कहा गया है कि दोनों नेताओं ने सोशल मीडिया पर ऐसी टिप्पणियां की हैं, जो पार्टी की रीति-नीति और संगठनात्मक अनुशासन के अनुरूप नहीं हैं। इसे अनुशासनहीनता मानते हुए स्पष्टीकरण मांगा गया है।

दिग्विजय सिंह पर पोस्ट के बाद निधि को नोटिस

3 जुलाई को जारी नोटिस में कहा गया है कि निधि चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के खिलाफ सार्वजनिक टिप्पणी की, जिससे पार्टी की छवि प्रभावित हुई। संगठन ने इसे अनुशासन के विपरीत मानते हुए सात दिन के भीतर जवाब देने को कहा है।

भोपाल की ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने सड़क पर उतरे कलेक्टर और पुलिस कमिश्नर,जाम वाले चौराहों पर एक्शन

भोपाल (निप्र)। राजधानी भोपाल में लगातार बढ़ते ट्रैफिक दबाव और जाम की समस्या को देखते हुए प्रशासन अब एक्शन मोड में नजर आया। शुक्रवार को कलेक्टर प्रियंक मिश्रा और पुलिस कमिश्नर संजय कुमार खुद सड़क पर उतरे और शहर के प्रमुख चौराहों का संयुक्त निरीक्षण किया। अधिकारियों ने पॉलिटेक्निक चौराहा, डिपो चौराहा, स्मार्ट सिटी मार्ग और बागसेवनिया चौराहे पर यातायात व्यवस्था का जायजा लेते हुए मौके पर ही कई अहम निर्देश दिए।

लेफ्ट टर्न को बाधामुक्त बनाने पर जोर

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पाया कि कई चौराहों पर लेफ्ट टर्न बाधित होने से अनावश्यक जाम की स्थिति बन रही है। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने निर्देश दिए कि सभी प्रमुख चौराहों पर लेफ्ट टर्न को पूरी तरह बाधामुक्त बनाया जाए, ताकि वाहन बिना रुके आसानी से निकल सकें और ट्रैफिक का दबाव कम हो।

जेब्रा क्रॉसिंग और ट्रैफिक संकेतकों को दुरुस्त करने के निर्देश

कलेक्टर ने संबंधित विभागों को जेब्रा क्रॉसिंग को स्पष्ट रूप से चिन्हित करने, ट्रैफिक साइन बोर्ड लगाने और सड़क सुरक्षा से जुड़े सभी संकेतकों को व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पैदल यात्रियों और वाहन चालकों दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है।

जाम वाले हॉटस्पॉट्स पर होगा तत्काल सुधार

कलेक्टर और पुलिस कमिश्नर ने स्मार्ट सिटी मार्ग और डिपो चौराहे सहित उन स्थानों का भी निरीक्षण किया, जहां रोजाना ट्रैफिक जाम की समस्या रहती है। अधिकारियों ने कहा कि लोक निर्माण विभाग, नगर निगम, स्मार्ट सिटी और यातायात पुलिस के संयुक्त प्रयास से इन हॉटस्पॉट्स पर तत्काल सुधार कार्य शुरू किए जाएंगे।

दतिया का रणः क्या भाजपा वापस पाएगी अपना गढ़ या कांग्रेस दोहराएगी जीत? ओबीसी वोटर बनेंगे किंगमेकर

भोपाल (निप्र)। दतिया विधानसभा उपचुनाव का बिगुल बजते ही प्रदेश की सियासत गरमा गई है। भाजपा के लिए खोया गढ़ वापस पाने और कांग्रेस के लिए अपनी जीत बचाए रखने की चुनौती के बीच इस बार ओबीसी वोटर चुनाव के सबसे बड़े निर्णायक माने जा रहे हैं। दतिया विधानसभा उपचुनाव मध्य प्रदेश की सबसे चर्चित राजनीतिक लड़ाइयों में शामिल हो चुका है। चुनााव आयोग के तारीखों के एलान के साथ ही सियासी गर्मी बढ़ गई है। यहां पर 30 जुलाई को मतदान हो और 3 अगस्त को नतीजे आएंगे। दतिया उपचुनाव भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिए राजनीतिक प्रतिष्ठा का प्रश्न है। भाजपा इस सीट पर दोबारा कब्जा कर अपना खोया गढ़ वापस पाना चाहती है, जबकि कांग्रेस के सामने 2023 की जीत को बरकरार रखने की चुनौती है। दतिया लंबे समय तक भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा का मजबूत राजनीतिक गढ़ माना जाता रहा। उन्होंने 2008, 2013 और 2018 में लगातार जीत दर्ज की, लेकिन 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के राजेंद्र भारती ने उन्हें 7,742 वोटों से हराकर बड़ा राजनीतिक उलटफेर कर दिया। बाद में एक पुराने बैंक धोखाधड़ी मामले में दोषसिद्धि के चलते राजेंद्र भारती की विधानसभा सदस्यता समाप्त हो गई, जिसके बाद यह सीट रिक्त हुई और अब यहां उपचुनाव हो रहे हैं।

मध्यप्रदेश के लिए रुपए 5,00,856 करोड़ की वार्षिक ऋण योजना 2026-27 जारी

भोपाल (निप्र)। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने मंत्रालय में शुक्रवार को वित्त विभाग के अधिकारियों और राज्य स्तरीय बैंकर्स कमेटी के समन्वयक से कहा है कि वे जिलों से प्राप्त जिला स्तरीय क्रेडिट प्लान का हर हाल में क्रियान्वयन कर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को और सुदृढ़ बनाएं। मुख्य सचिव श्री जैन ने राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति द्वारा प्रस्तुत वार्षिक साख योजना 2026-27 का विमोचन कर जारी की। विमोचन के दौरान अपर मुख्य सचिव वित्त मनीष रस्तोगी, आयुक्त संस्थागत वित्त सुश्री सोनिया मीना, क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय रिजर्व बैंक सुश्री सुजाता लाल, उपमहाप्रबंधक नाबार्ड विजेंद्र सिंह, उपमहाप्रबंधक राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति पवन कुमार अग्रवाल, भारतीय स्टेट बैंक के महाप्रबंधक निशंका रॉय सहित अन्य बैंक के अधिकारी उपस्थित हुये।

जारी क्रेडिट प्लान के अनुसार कुल वार्षिक ऋण योजना रुपए 5,00,856 करोड़ निर्धारित की गई है। जो गत वर्ष के लक्ष्य 4,19,110 करोड़ रूपए का 119.50 प्रतिशत है। कृषि क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए फार्म क्रेडिट के लिए 1,28,866 करोड़ रुपए का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जो गत वर्ष के लक्ष्य का 106.56 प्रतिशत तथा उपलब्धि का 120.56 प्रतिशत अधिक है।

दतिया उपचुनाव के बीच आएंगे मुख्य चुनाव आयुक्त, इंदौर में 1500 बीएलओ से करेंगे संवाद

भोपाल (ए.)। दतिया विधानसभा उपचुनाव की घोषणा के बाद भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार दो दिवसीय दौरे पर शनिवार को मध्य प्रदेश पहुंचेंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त बनने के बाद यह उनका प्रदेश का पहला दौरा होगा। उनके आगमन को देखते हुए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) कार्यालय ने तैयारियां तेज कर दी हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, ज्ञानेश कुमार 4 जुलाई को इंदौर पहुंचेंगे। यहां शाम को लता मंगेशकर सभागार में इंदौर, उज्जैन, देवास, धार और खंडवा जिले के 1,500 से अधिक बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के साथ संवाद करेंगे। इस दौरान चुनावी प्रक्रिया को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने सहित बूथ स्तर की व्यवस्थाओं पर चर्चा होने की संभावना है। मुख्य चुनाव आयुक्त का यह संवाद इसलिए भी खास माना जा रहा है क्योंकि उन्होंने पहले भी चुनावी प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों और बीएलओ के साथ सीधे संवाद की पहल की है। अधिकारियों का मानना है कि इससे जमीनी स्तर पर चुनाव प्रबंधन को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इंदौर में रात्रि विश्राम के बाद 5 जुलाई को मुख्य चुनाव आयुक्त ओंकारेश्वर और महेश्वर जाएंगे। इस दौरान वे ओंकारेश्वर में भगवान शिव के दर्शन करेंगे और महेश्वर किले का भी भ्रमण करेंगे। इधर, दतिया विधानसभा उपचुनाव की घोषणा के साथ ही चुनावी तैयारियां तेज हो गई हैं। निर्वाचन आयोग के निर्देशों के बाद दतिया में आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो चुकी है। जिला प्रशासन और निर्वाचन अधिकारियों ने चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं।

PHE कर्मचारी से मांगे एक करोड़, दुष्कर्म केस की धमकी देकर पहले ही वसूले तीन लाख

अशोकनगर (ए.)। अशोकनगर कोतवाली क्षेत्र में रिश्तों में भरोसे की आड़ में ब्लैकमेलिंग का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में पदस्थ एक कर्मचारी को उसी के घर में खाना बनाने वाली महिला ने झूठे दुष्कर्म केस में फंसाने की धमकी देकर एक करोड़ रुपये की मांग कर डाली। हैरानी की बात यह है कि आरोपी महिला पहले भी डरा-धमकाकर कर्मचारी से करीब तीन लाख रुपये वसूल चुकी है। तंग आकर पीड़ित ने कोतवाली पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर मोबाइल जब्त कर लिया है।

कोतवाली थाने में दर्ज शिकायत के मुताबिक पीड़ित कर्मचारी मूल रूप से दतिया का रहने वाला है और वर्तमान में अशोकनगर पीएचई विभाग में पदस्थ है। करीब डेढ़ साल पहले रजनी मेर नाम की महिला उसके घर में खाना बनाने का काम करने लगी। शुरुआती दिनों में महिला ने अपनी पारिवारिक मजबूरियां गिनाईं। उसने बताया कि पति से तलाक हो चुका है और तीन बच्चों की परवरिश अकेले कर रही है। कर्मचारी ने इंसानियत के नाते उसकी मदद कर दी। इसी सहानुभूति को महिला ने हथियार बना लिया।

कुछ समय बाद महिला का व्यवहार बदलने लगा। वह कर्मचारी के मोबाइल पर आपत्तिजनक संदेश भेजने लगी और धीरे-धीरे नजदीकियां बढ़ाने का प्रयास करने लगी। बातचीत का सिलसिला मुलाकातों तक पहुंच गया। इसी दौरान महिला ने चुपके से कर्मचारी के साथ आपत्तिजनक फोटो और वीडियो बना लिए। पीड़ित को तब तक इस जाल का अंदाजा नहीं था।

फोटो-वीडियो हाथ लगते ही महिला का असली चेहरा सामने आ गया। उसने पहले छोटे-मोटे खर्चों के नाम पर पैसे मांगने शुरू किए। कर्मचारी ने लोकलाज के डर से रकम दे दी। लेकिन महिला की मांग बढ़ती चली गई। एक बार में उसने तीन लाख रुपये तक वसूल लिए। इतना ही नहीं, वह कर्मचारी की पत्नी से भी विवाद और झगड़ा करने लगी, ताकि दबाव और बढ़ सके।

पिछले सप्ताह महिला ने सारी हदें पार कर दीं। उसने फोन कर कर्मचारी से सीधे एक करोड़ रुपये की मांग कर दी। साथ ही धमकी दी कि अगर रकम नहीं मिली तो वह थाने जाकर दुष्कर्म का झूठा मुकदमा दर्ज करा देगी। लगातार मिल रही धमकियों और ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर आखिरकार कर्मचारी ने हिम्मत जुटाई और शुक्रवार को कोतवाली थाने पहुंचकर पूरी आपबीती सुनाई।

शिकायत को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की। आरोपी महिला रजनी मेर को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस ने उसका मोबाइल फोन भी जब्त कर लिया है, जिसमें ब्लैकमेलिंग से जुड़े मैसेज और वीडियो होने की आशंका है। पुलिस मोबाइल की फॉरेंसिक जांच करवा रही है ताकि डिजिटल सबूत जुटाए जा सकें।

कोतवाली पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में ब्लैकमेलिंग की पुष्टि हुई है। आरोपी महिला ने पहले भी पैसे वसूले थे और अब एक करोड़ की मांग कर रही थी। मामले में आईटी एक्ट सहित ब्लैकमेलिंग और वसूली की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि महिला ने इस तरह किसी और को तो अपना शिकार नहीं बनाया।

दो परिवारों की रंजिश में उजड़ गई मां की कोख, मारपीट के बाद गर्भ में पल रहे जुड़वा बच्चों की मौत

गुना (ए.)। कैंट थाना क्षेत्र के किशनगढ़ मोहल्ले में गुरुवार शाम पुराने विवाद ने ऐसा हिंसक रूप लिया कि दो परिवारों की रंजिश की सबसे बड़ी कीमत एक गर्भवती महिला को चुकानी पड़ी। लाठी-डंडों से हुई मारपीट में जमीन पर गिरी पांच माह की गर्भवती राजकुमारी लोधा के गर्भ में पल रहे जुड़वा बच्चों की मौत हो गई। देर रात प्रसव पीड़ा उठने पर अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने दोनों भ्रूण मृत घोषित कर गर्भपात कराया। इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव फैल गया है और जिला अस्पताल के प्रसूति वार्ड में भर्ती महिला का रो-रोकर बुरा हाल है।

पुरानी रंजिश ने लिया खूनी मोड़

जानकारी के मुताबिक, गुरुवार शाम किशनगढ़ में सोनू लोधा और रामस्वरूप लोधा पक्ष के बीच पुरानी कहासुनी को लेकर बहस छिड़ गई। बात इतनी बढ़ी कि देखते ही देखते दोनों ओर से लोग लाठी-डंडे लेकर

आमने-सामने आ गए। मोहल्ले की तंग गलियां कुछ ही मिनटों में चीख-पुकार और अफरा-तफरी से गूंज उठीं। इस खूनी संघर्ष में दोनों पक्षों के करीब सात लोग लहूलुहान हो गए, जिन्हें आनन-फानन में जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर लगाए गंभीर आरोप

पहले पक्ष के सोनू लोधा का आरोप है कि रामस्वरूप लोधा के पिता पिछले कई दिनों से जातिसूचक गालियां दे रहे थे। गुरुवार को जब इसी बात पर चर्चा हो रही थी, तभी रामस्वरूप अपने परिवार के साथ लाठी-डंडे लेकर टूट पड़ा। हमले में वह स्वयं, उसकी गर्भवती पत्नी और परिवार के अन्य सदस्य घायल हो गए।

वहीं, दूसरे पक्ष के रामस्वरूप लोधा ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। उनका कहना है कि सोनू लोधा अपने साथियों के साथ उनके घर आया और गाली-गलौज करते हुए हमला बोल दिया। मारपीट में उनके परिवार के संजय लोधा की पांच माह की गर्भवती पत्नी राजकुमारी को गंभीर चोटें आईं।

दो अज्ञात लोगों के शव मिलने से बागेश्वर धाम में सनसनी, प्रवचन पंडाल के नीचे मिले शव

छतरपुर (ए.)। जिले के बमीठा थाना क्षेत्र स्थित बागेश्वर धाम के गढ़ा गांव में शुक्रवार सुबह दो अज्ञात व्यक्तियों के शव मिलने से सनसनी फैल गई। दोनों शव प्रवचन पंडाल के नीचे पड़े मिले। सूचना मिलते ही बमीठा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का पंचनामा बनाकर शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए राजनगर स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया।

पुलिस के मुताबिक, मृतकों में एक व्यक्ति की उम्र करीब 35 वर्ष और दूसरे की उम्र लगभग 60 वर्ष आंकी जा रही है। फिलहाल दोनों की पहचान नहीं हो सकी है। शवों को राजनगर स्वास्थ्य केंद्र में पहचान के लिए सुरक्षित रखा गया है। बमीठा थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि दोनों की मौत किन परिस्थितियों में हुई और उनकी पहचान क्या है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारण स्पष्ट हो सकेंगे।

10वीं की छात्रा ने जहर खाकर दी जान

जिले में 15 वर्षीय छात्रा द्वारा जहरीला पदार्थ सल्फास खाकर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। गंभीर हालत में परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रारंभिक जानकारी में परिजन पढ़ाई के दबाव और मानसिक तनाव की बात कह रहे हैं, हालांकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही होगी। जानकारी के अनुसार, मृतका नंदिनी अहिरवार (15) पिता बालादीन अहिरवार, ग्राम गुरैया, थाना सिविल लाइन की निवासी थी। वह गांव के सरकारी स्कूल में कक्षा 10वीं की छात्रा थी। बताया जा रहा है कि उसने घर में रखा सल्फास खा लिया, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई। परिजन तत्काल उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। मामले की जांच कर रहे सिविल लाइन थाना के एएसआई सीताराम अहिरवार ने बताया कि मृतका की मां के अनुसार नंदिनी पढ़ाई में कमजोर थी। परिवार उसे पढ़ाई पर ध्यान देने के लिए समझाता था। इसी बात को लेकर वह मानसिक तनाव में रहती थी। आशंका है कि इसी के चलते उसने जहरीला पदार्थ खा लिया।

तेरे जैसे हजार कर लूंगीः पत्नी ने उकसाया तो पति ने सिर पर पत्थर मारकर की हत्या, अब हाईकोर्ट ने कम कर दी सजा

जबलपुर (ए.)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने पत्नी की हत्या के एक मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए आरोपी की उम्रकैद की सजा को घटाकर सात वर्ष के कठोर कारावास में बदल दिया है। न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल और न्यायमूर्ति अवनिंद्र कुमार सिंह की खंडपीठ ने माना कि घटना पूर्व नियोजित नहीं थी, बल्कि पत्नी के कथित अपमानजनक शब्दों से उत्पन्न अचानक और गंभीर उकसावे के कारण हुई थी। ऐसे में यह मामला हत्या की बजाय गैर-इरादतन मानव वध की श्रेणी में आता है।

अभियोजन के अनुसार, 18 सितंबर 2021 को छिंदवाड़ा जिले के चौरई ब्लॉक निवासी शिवा कहार ने अपनी पत्नी किरण की हत्या कर दी थी। घटना के समय किरण सात माह की गर्भवती थी। दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसी दौरान किरण ने कथित तौर पर कहा था, "तेरे जैसे हजार पति कर लूंगी।" आरोपी के अनुसार, यह बात सुनकर वह अचानक अपना आपा खो बैठा और पास में पड़ा पत्थर उठाकर पत्नी के सिर पर मार दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

छिंदवाड़ा अदालत ने सुनाई थी उम्रकैद की सजा

घटना के बाद आरोपी फरार नहीं हुआ। उसने स्वयं अपने ससुर और संबंधित पुलिस थाने को फोन कर घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मामले की सुनवाई के बाद छिंदवाड़ा जिला न्यायालय ने शिवा कहार को दोषी ठहराते हुए भारतीय दंड संहिता की धारा 304 (भाग-1) के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इस फैसले को आरोपी ने हाईकोर्ट में चुनौती दी।

ममलेश्वर मंदिर की दान राशि पर उठे सवाल, एक साल से सार्वजनिक नहीं हुआ आय-व्यय का हिसाब

ओंकारेश्वर (ए.)। ओंकारेश्वर के नर्मदा के दक्षिणी तट पर विराजित भगवान ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु दर्शन, पूजन एवं नर्मदा स्नान के लिए पहुंचते हैं। श्रद्धालु अपनी श्रद्धा के अनुरूप मंदिर में स्थापित दान पेटियों में दान करते हैं, लेकिन पिछले लगभग एक वर्ष से इन दान पेटियों में एकत्र हो रही राशि के संबंध में सार्वजनिक जानकारी उपलब्ध नहीं होने से पारदर्शिता को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

मंदिर का संरक्षण एवं रखरखाव भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा किया जाता है, जबकि देवी अहिल्याबाई होलकर की परंपरा के अनुसार आज भी भगवान की तीनों समय की पूजा, आरती एवं धार्मिक व्यवस्थाओं का निर्वहन किया जा रहा है।

एक वर्ष पूर्व ममलेश्वर मंदिर में दान पेटियां लगवाई गईं थी

लगभग एक वर्ष पूर्व खंडवा जिला प्रशासन के निर्देश पर तत्कालीन पुनासा एसडीएम शिवम प्रजापति के कार्यकाल में ममलेश्वर मंदिर में दान पेटियां स्थापित कर मंदिर प्रबंधन समिति का गठन किया गया था। उद्देश्य यह बताया गया था कि श्रद्धालुओं से प्राप्त दान राशि का उपयोग मंदिर परिसर के विकास, श्रद्धालुओं की सुविधाओं तथा व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में किया जाएगा।

कितना चढ़ावा आता इसकी जानकारी नहीं

अब मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य, संत समाज तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने दान राशि के आय-व्यय का सार्वजनिक विवरण जारी करने की मांग उठाई है। उनका कहना है कि प्रत्येक माह दान पेटियां खोली जाती हैं, लेकिन अब तक यह जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई कि कुल कितनी राशि प्राप्त हुई, वह किस बैंक खाते में जमा की गई और उसका उपयोग किन कार्यों में किया गया।धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों का भी मानना है कि मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित प्रत्येक रुपये का पारदर्शी लेखा-जोखा समय-समय पर सार्वजनिक किया जाना चाहिए। इससे श्रद्धालुओं का विश्वास और मजबूत होगा तथा किसी प्रकार की भ्रांति या विवाद की स्थिति भी उत्पन्न नहीं होगी।

'दान राशि का पूरा आय-व्यय सार्वजनिक किया जाना चाहिए'

महंत मंगलदास त्यागी ने कहा कि श्रद्धालुओं की आस्था से प्राप्त दान जनता की अमानत है। इसलिए दान राशि का पूरा आय-व्यय सार्वजनिक किया जाना चाहिए, जिससे श्रद्धालुओं का विश्वास और मजबूत हो। उन्होंने कहा कि ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में प्राप्त दान राशि का उपयोग श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए किया जाना चाहिए। चूंकि मंदिर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधीन है, इसलिए वहां किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य बिना अनुमति के नहीं किया जा सकता।

दान व्यवस्था में पूर्ण पारदर्शिता हो-दूल्हे सिंह

दूल्हे सिंह दरबार (सदस्य, ममलेश्वर मंदिर प्रबंधन समिति) ने कहा कि दान पेटियां प्रत्येक माह खोली जाती हैं और चढ़ावे की राशि की जानकारी मौखिक रूप से दी जाती है, लेकिन कुल राशि, बैंक खाते, जमा प्रक्रिया और व्यय का विस्तृत विवरण समिति के सदस्यों को भी उपलब्ध नहीं कराया जाता। केवल मोबाइल पर एसएमएस आता है कि 15 लाख या 16 लाख रुपये प्राप्त हुए हैं। उन्होंने दान व्यवस्था में पूर्ण पारदर्शिता की मांग की।

'पारदर्शिता लोकतांत्रिक जवाबदेही का महत्वपूर्ण हिस्सा'

भाजपा नगर अध्यक्ष संतोष वर्मा ने कहा कि यदि मंदिर प्रबंधन समिति गठित है, तो उसके सदस्यों, बैठकों, दान राशि, व्यय तथा शेष राशि का विवरण समय-समय पर सार्वजनिक किया जाना चाहिए।

व्यापार समाचार

अमेरिकी जॉब डेटा से सोना-चांदी की कीमतों में तेजी

सोना 1,47,551 प्रति 10 ग्राम, चांदी 2,37,859 रुपये प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली (ए.)। अमेरिका से आए कमजोर रोजगार आंकड़ों के बाद सोने और चांदी की कीमतों में शुक्रवार को वैश्विक और घरेलू दोनों बाजारों में जोरदार तेजी दर्ज की गई। निवेशकों ने मंदी की आशंका के बीच सुरक्षित निवेश के तौर पर इन बहुमूल्य धातुओं का रुख किया, जिससे शुक्रवार को इनके भाव तेजी के साथ खुले। कॉमेक्स पर सोना 4,200 डॉलर और चांदी 63 डॉलर तक उछल गई, जबकि घरेलू मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर भी इनके वायदा भाव में रिकॉर्ड बढ़त देखी गई। अमेरिका में कमजोर जॉब डेटा के खुलासे के बाद बहुमूल्य धातुओं ने शुक्रवार को वैश्विक और घरेलू दोनों बाजारों में नई ऊंचाईयां छू लीं। निवेशक अब सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं, जिसका सीधा फायदा सोना और चांदी को मिल रहा है। घरेलू मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने और चांदी के वायदा भाव में जबरदस्त तेजी का माहौल रहा। खबर लिखे जाने के समय, सोने का अगस्त वायदा अनुबंध 1,932 रुपये की बढ़त के साथ 1,47,551 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था, जिसने दिन में 1,47,800 रुपये का उच्च स्तर छुआ। यह बेंचमार्क अनुबंध इस साल 1,80,779 रुपये का अपना सर्वोच्च स्तर भी बना चुका है। वहीं, चांदी का सितंबर वायदा अनुबंध 4,555 रुपये की तेजी के साथ 2,37,859 रुपये

प्रति किलोग्राम पर ट्रेड कर रहा था। इसने दिन का उच्च स्तर 2,38,216 रुपये छुआ, जबकि इस साल का उच्चतम स्तर 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में उछाल जारी रहा। न्यूयॉर्क के कॉमेक्स पर सोना 68.50 डॉलर की तेजी के साथ 4,194.20 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जिसने पहले ही 4,200 डॉलर का आंकड़ा छू लिया था। इस साल सोने का सर्वोच्च स्तर 5,586.20 डॉलर प्रति औंस रहा है। चांदी भी 1.84 डॉलर की बढ़त के साथ 62.90 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई, जबकि यह 63 डॉलर के स्तर तक चढ़ चुकी थी। चांदी ने इस साल 121.79 डॉलर प्रति औंस का उच्चतम स्तर दर्ज किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और कमजोर अमेरिकी डेटा सोने-चांदी को और ऊपर ले जा सकता है।

शाओमी कर रही अगली शाओमी 18 सीरीज पर काम

नई दिल्ली (ए.)। शाओमी अपनी अगली फ्लैगशिप शाओमी 18 सीरीज पर काम कर रही है। लेटेस्ट लीक्स के मुताबिक, शाओमी 18 में पिछले मॉडल की तुलना में बड़ी बैटरी मिलेगी, साथ ही 200 मेगापिक्सल का कैमरा और 2के डिस्प्ले जैसे प्रीमियम फीचर्स भी शामिल होंगे। जाने-माने चीनी टिप्स्टर डिजिटल चैट स्टेशन के अनुसार, शाओमी 18 के इंजीनियरिंग प्रोटोटाइप में 7,200 एमएएच की बैटरी दी गई है। अगर यह जानकारी सही साबित होती है, तो यह शाओमी 17 में दी गई 7,000 एमएएच की बैटरी से 200 एमएएच अधिक होगी। शाओमी का लक्ष्य कॉम्पैक्ट डिजाइन बनाए रखते हुए बैटरी क्षमता बढ़ाना है। डिस्प्ले की बात करें तो, इसमें 6.4 इंच का 2के डिस्प्ले मिलने की उम्मीद है, जिसमें 19.5:9 आस्पेक्ट रेशियो और पतले बेज़ेल्स होंगे, जिससे फोन का डिजाइन प्रीमियम दिखेगा। फोटोग्राफी के लिए, फोन में 200 मेगापिक्सल का प्राइमरी कैमरा दिया जा सकता है, जिसमें 1/1.28-इंच का बड़ा सेंसर होगा। कुछ रिपोर्ट्स यह भी संकेत देती हैं कि शाओमी 18 सीरीज के कुछ मॉडल्स में डुअल 200 मेगापिक्सल कैमरा सेटअप भी देखने को मिल सकता है, जो कैमरा लवर्स के लिए एक बड़ी बात होगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शाओमी 18 सीरीज को चीन में सितंबर में लॉन्च किया जा सकता है, ठीक वैसे ही जैसे पिछले साल शाओमी 17 सीरीज लॉन्च हुई थी। उस सीरीज में शाओमी 17, शाओमी 17 प्रो और शाओमी 17 प्रो मैक्स शामिल थे।

पर्सनल लोन धारक की मौत पर ईएमआई का बोझ कौन उठाएगा? जानिए नियम

नई दिल्ली (ए.)। आजकल पर्सनल लोन की आसान उपलब्धता ने इसे एक लोकप्रिय वित्तीय साधन बना दिया है। लेकिन, क्या आपने कभी सोचा है कि अगर लोन लेने वाले का अप्रत्याशित निधन हो जाए तो बची हुई ईएमआई का भुगतान कौन करेगा? यह एक अहम सवाल है जिसका जवाब लोन की शर्तों, को-बॉरोअर और गारंटर की भूमिका पर निर्भर करता है। आम तौर पर, पर्सनल लोन अनसिक्योर्ड होते हैं, जिसका अर्थ है कि बैंक के पास कोई संपत्ति गिरवी नहीं होती। ऐसे में यदि मुख्य उधारकर्ता का निधन हो जाता है और परिवार का कोई सदस्य सह-आवेदक या गारंटर नहीं है, तो परिवार पर केवल रिश्तेदार होने के नाते बकाया चुकाने की कानूनी जिम्मेदारी नहीं आती। हालांकि, स्थिति तब बदल जाती है जब लोन में कोई सह-आवेदक (को-बॉरोअर) शामिल हो। मुख्य उधारकर्ता की मृत्यु के बाद बची हुई ईएमआई और बकाया राशि चुकाने की जिम्मेदारी पूरी तरह से को-बॉरोअर पर आ जाती है। इसी प्रकार,अगर लोन में किसी व्यक्ति ने गारंटर की भूमिका निभाई है, और मुख्य उधारकर्ता व को-बॉरोअर दोनों की ओर से भुगतान नहीं हो पाता, तो बैंक गारंटर से बकाया राशि की वसूली कर सकता है। यदि किसी पर्सनल लोन के बदले कोई संपत्ति (जैसे घर या सोना) गिरवी रखी गई है, तो बैंक वसूली के लिए कानूनी प्रक्रिया के तहत उस संपत्ति पर कार्रवाई कर सकता है।

बाजार में लगातार तीसरे दिन तेजी; सेंसेक्स 262 अंक चढ़ा, निफ्टी 24250 के पार

नई दिल्ली (ए.)। घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन समापन हरे निशान पर हुआ। वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक तनाव कम होने और फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में बढ़ोतरी की उम्मीदें घटने से घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन बढ़त के साथ बंद हुए। इसके साथ ही, डॉलर इंडेक्स में गिरावट के चलते रुपये ने भी मुद्रा के मुकाबले शानदार वापसी की। हालांकि, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की लगातार बिकवाली ने बाजार पर दबाव बनाए रखा है।

शेयर बाजार की इस तेजी के पीछे कौन से बड़े कारण रहे?

सेंसेक्स 261.79 अंक (0.33%) चढ़कर 77,763.91 और निफ्टी 95.15 अंक (0.39%) की बढ़त के साथ 24,270.85 के स्तर पर बंद हुआ। बाजार की इस तेजी का नेतृत्व मुख्य रूप से आईटी, रियलिटी और फार्मा इंडेक्स ने किया, जिनमें से प्रत्येक में करीब 2त्न की बढ़त दर्ज की गई। हालांकि, ऑटो और पीएसयू बैंक इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। एनएसई पर कुल 1,823 शेयरों में तेजी और 1,513 शेयरों में गिरावट रही, जबकि 100 शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुए।

डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये को कैसे मिला सहारा?

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 14 पैसे मजबूत होकर 95.21 (अस्थायी) के स्तर पर बंद हुआ। गुरुवार को रुपया 19 पैसे टूटकर 95.35 पर बंद हुआ था। रुपया शुक्रवार को 95.16-95.35 के दायरे में रहा। डॉलर इंडेक्स भी अपने हालिया 15 महीने के उच्चतम स्तर 101.6 से गिरकर 100.75 पर आ गया। डॉलर इंडेक्स में नरमी और कच्चे तेल (ब्रेंट क्रूड) के 71.96 डॉलर प्रति बैरल पर रहने के बीच रुपये को मजबूती मिली। हालांकि, आयातकों और कॉर्पोरेट हेजर्स की मजबूत डॉलर मांग से रुपये पर दबाव बना रहा।

क्या भारतीय रिजर्व बैंक डॉलर की भारी खरीद कर रहा है?

विदेशी मुद्रा विशेषज्ञों के अनुसार, आयातकों की डॉलर मांग के बीच आरबीआई रुपये में उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने के लिए बाजार में सक्रिय है। आरबीआई अपने विदेशी मुद्रा भंडार को फिर से बढ़ाने के लिए लगातार डॉलर की खरीद कर रहा है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार फरवरी के रिकॉर्ड स्तर 728.49 अरब डॉलर से घटकर वर्तमान में लगभग 672.6 अरब डॉलर पर आ गया है, जिसे दुरुस्त करने के लिए रिजर्व बैंक सक्रिय रूप से डॉलर खरीद रहा है।

विदेशी निवेशकों की रिकॉर्ड बिकवाली क्या चिंता का विषय है?

बाजार में तेजी के बीच विदेशी निवेशकों की रिकॉर्ड बिकवाली एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। जून में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयरों से 49,340 करोड़ रुपये (5.16 अरब डॉलर) निकाले। इस बिकवाली की मुख्य वजह वैश्विक जोखिम, विकसित बाजारों के प्रति झुकाव, उच्च अमेरिकी बॉन्ड यील्ड और घरेलू बाजार का महंगा वैल्यूएशन रहा। सीडीएसएल के अनुसार, साल 2026 में विदेशी निवेशकों की निकासी बढ़कर 2.7 लाख करोड़ रुपये पहुंच चुकी है, जो साल 2025 की कुल 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी से काफी अधिक है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

बड़ी कीमत भावी पीढ़ियों को चुकानी होगी

सरकारों का ऋण लेना अपने-आप में समस्या नहीं है, बशर्ते निवेश उत्पादक योजनाओं या दीर्घकालिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में हो। मगर, फिलहाल ज्यादातर रकम का इस्तेमाल नकदी ट्रांसफर के लिए हो रहा है। वोट खरीद योजनाएं का असर जाहिर होने लगा है। पिछले वित्त वर्ष में राज्य सरकारों ने बाजार से 15.2 फीसदी ज्यादा कर्ज उठाया। ज्यादा कर्ज लेने की होड़ का असर ब्याज दरों पर दिखा। मतलब यह कि अब सरकारों को अधिक महंगी दर पर ऋण लेना पड़ रहा है। भारत सरकार को दस साल के बॉन्ड बेचने के लिए अब लगभग सात प्रतिशत की दर से ब्याज देने पड़ रहे हैं। सरकारों का ऋण लेना अपने-आप में समस्या नहीं है, बशर्ते जुटाई गई रकम का निवेश उत्पादक योजनाओं या दीर्घकालिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में हो रहा हो। मगर, अपने देश में फिलहाल इनमें से बड़ी रकम का इस्तेमाल मतदाताओं के खाते में नकदी ट्रांसफर के लिए हो रहा है। मार्केट रिसर्च एजेंसी क्राइसिल के मुताबिक 2019 तक सिर्फ चार राज्यों में कैश ट्रांसफर की योजनाएं थीं, जबकि अब 28 राज्यों और केंद्र शासित दिल्ली में इन्हें चलाने का बोझ सरकारों पर है। प्रोजेक्टडीप नामक एक संगठन की अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक 2015 के बाद से ऐसी योजनाओं पर सरकारी खर्च में 20 गुना से भी ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। ये व्यय अब दो लाख 85 हजार करोड़ रुपये सालाना तक पहुंच चुकी है। यह भी गौरतलब है कि ये सारी रकम सिर्फ कर्ज लेकर नहीं जुटाई गई है। बल्कि एक्सिस रिसर्च ने पिछले साल अपनी एक अध्ययन रिपोर्ट में कहा था कि इस बजट का बहुत बड़ा हिस्सा सरकारों की व्यय प्राथमिकता में परिवर्तन लाकर और राजकोषीय घाटा बढ़ाते हुए पूरा किया गया है। व्यय प्राथमिकता में परिवर्तन का मतलब है कि दीर्घकालिक एवं मानव विकास की योजनाओं का बजट काट कर प्रत्यक्ष नकदी ट्रांसफर की योजनाएं बढ़ाई गई हैँ। चूंकि सरकारें ऐसी योजनाओं के प्रभाव का अध्ययन नहीं करवातीं, इसलिए यह सामने नहीं आ पाता है कि मतदाताओं को तुरंत मिलने राहत की कितनी बड़ी कीमत भावी पीढ़ियों को चुकानी होगी। अर्थशास्त्री अरविंद सुब्रह्मण्यम ने इन योजनाओं को 'नई कल्याणकारी दृष्टि' कहा है। इससे मतदाताओं को महसूस होता है कि उनके लिए कुछ किया गया है। लेकिन यह किस कीमत पर हुआ है, यह बताने वाला उनके आसपास कोई मौजूद नहीं होता!

परिवर्तन की जड़ें: ई-गवर्नेंस से बदलता ग्रामीण भारत

प्रो. एस. पी. सिंह बघेल

कुछ क्षण केवल एक उपलब्धि भर नहीं होते, वे एक पूरी यात्रा को रोशन कर देते हैं। राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 के लिए चार पंचायती राज पहलों का चयन ऐसा ही एक क्षण है, ऐसा क्षण जो किसी एक कार्यालय का नहीं, बल्कि हर ग्राम पंचायत और हर उस नागरिक का है, जिसने डिजिटल रूप से सशक्त ग्रामीण भारत के सपने पर भरोसा किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की दूरदृष्टि से प्रेरित होकर, भारत की पंचायतें भरोसे, तकनीक और परिवर्तन का एक नया अध्याय लिख रही हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सुशासन के बारह परिवर्तनकारी वर्षों के इस पड़ाव पर यह सम्मान विशेष महत्व रखता है। यह दर्शाता है कि किस प्रकार पंचायती राज संस्थाएं मात्र योजनाओं के क्रियान्वयन तक सीमित निकायों से आगे बढ़कर, शासन की तीसरी स्तरीय व्यवस्था की आत्मविश्वासी, सक्षम और तकनीकी रूप से दक्ष संस्थाओं के रूप में स्थापित हुई हैं।

प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग द्वारा स्थापित राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से उत्कृष्ट लोक सेवा वितरण के लिए देश का सर्वोच्च सम्मान है। इस वर्ष सात श्रेणियों में चयनित 17 परियोजनाओं में से 4 पंचायती राज क्षेत्र से संबंधित हैं, जो ज़मीनी स्तर पर नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण बनाने हेतु पिछले बारह वर्षों के निरंतर प्रयासों का स्वाभाविक परिणाम है।

ग्राम पंचायतों के प्रदर्शन के मूल्यांकन हेतु पंचायती राज मंत्रालय की प्रमुख पहल, पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स, को डेटा एनालिटिक्स के माध्यम से डिजिटल परिवर्तन की श्रेणी में स्वर्ण पुरस्कार प्राप्त हुआ है। इस सूचकांक के आने से पहले, देश की 2.5 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों के प्रदर्शन के मूल्यांकन के लिए कोई मानकीकृत, डेटा आधारित राष्ट्रीय ढांचा उपलब्ध नहीं था। आज यह सूचकांक डेटा, प्रदर्शन, पहचान और जनभागीदारी को आपस में जोड़ने वाली एक पारदर्शी जवाबदेही व्यवस्था का निर्माण कर रहा है।

उल्लेखनीय यह है कि दो ग्राम पंचायतों ने अपने स्वयं के प्रयासों से यह सम्मान अर्जित किया है। महाराष्ट्र के सांगली जिले की कडेपुर ग्राम पंचायत ने ग्रासरूट स्तर की पहलों की श्रेणी में स्वर्ण पुरस्कार प्राप्त किया है। यहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ब्लॉकचेन जैसी आधुनिक तकनीकों के उपयोग से 1,300 से अधिक सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही हैं। वहीं, पश्चिम त्रिपुरा की बिजय नगर ग्राम पंचायत को रजत पुरस्कार मिला है। पंचायत ने अपने स्वयं के स्रोतों से आय में लगभग 194 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है और महिलाओं के बीच शत-प्रतिशत डिजिटल साक्षरता हासिल की है। महाराष्ट्र के नंदुरबार जिला परिषद के स्वास्थ्य विभाग को 'ई-आरोग्य धमनी' पहल के माध्यम से

दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों के लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए जिला स्तरीय पहल श्रेणी में गोल्ड अवार्ड के लिए चयनित किया गया।

ये पुरस्कार मिलकर एक महत्वपूर्ण संदेश देते हैं। ई-गवर्नेंस में उत्कृष्टता अब केवल राज्यों की राजधानियों या जिला मुख्यालयों तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह समान रूप से हमारे गांवों और ग्राम सभाओं में भी स्थापित हो चुकी है। इस वर्ष 30 राज्यों की 1.65 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों ने इसमें भाग लिया, जो हमारे द्वारा मिलकर तैयार की गई संस्थागत क्षमता और विश्वास को दर्शाता है।

यह उपलब्धि संयोग से नहीं मिली है। पिछले बारह वर्षों में मंत्रालय ने पंचायतों को निरंतर बेहतर साधन उपलब्ध कराए हैं। ई-ग्राम स्वराज प्लेटफॉर्म के माध्यम से 2.59 लाख से अधिक पंचायतों में योजना निर्माण, बजट और भुगतान प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण किया गया है, जिससे पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से 3.16 लाख करोड़ से अधिक के ऑनलाइन लेन-देन संभव हुए हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सभासार प्लेटफॉर्म, जो 23 भारतीय भाषाओं में कार्य करता है, अब 1.35 लाख से अधिक पंचायतों में चंद मिनटों में ग्राम सभा की कार्यवाही तैयार कर देता है। मेरी पंचायत ऐप, जिसे 1 करोड़ से अधिक बार डाउनलोड किया जा चुका है, विकास कार्यों की जानकारी सीधे नागरिकों तक पहुंचा रहा है।

इन प्रयासों के साथ-साथ, स्वामित्व योजना के तहत 3.30 लाख गांवों में ड्रोन सर्वेक्षण पूरा किया जा चुका है तथा जून 2026 के मध्य तक 1.94 लाख गांवों के लिए 3.19 करोड़ संपत्ति कार्ड तैयार किए जा चुके हैं, जिससे ग्रामीण परिवारों के संपत्ति अधिकार सुदृढ़ हुए हैं और उन्हें ऋण सुविधा प्राप्त करने में आसानी हुई है। पंद्रहवें वित्त आयोग की अवधि में ग्रामीण स्थानीय निकायों को 2.82 लाख करोड़ की अनुदान राशि जारी की गई, जो अब तक की सर्वाधिक है। सोलहवें वित्त आयोग ने वर्ष 2026 से 2031 के लिए 4.35 लाख करोड़ की सिफारिश की है, जो लगभग 84 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

इस सोच को आगे बढ़ाने के लिए मंत्रालय ने 'सेवा से समृद्धि पंचायतों के नेतृत्व में सेवा वितरण' विषय पर क्षेत्रीय कार्यशालाओं की एक श्रृंखला शुरू की है। इन कार्यशालाओं में पंचायत प्रतिनिधि, जिला स्तरीय अधिकारी और विषय विशेषज्ञ मिलकर स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका और बुनियादी सुविधाओं जैसे क्षेत्रों में लोगों तक बेहतर सेवाएं पहुंचाने के उपायों पर चर्चा कर रहे हैं। इन कार्यशालाओं के माध्यम से सफल स्थानीय पहलों और नवाचारों को साझा किया जा रहा है, ताकि राज्य एक-दूसरे के अनुभवों से सीख सकें और अच्छे मॉडलों को व्यापक स्तर पर अपनाया जा सके। इनकी उपयोगिता और विस्तार की संभावनाएं बहुत व्यापक हैं। एनएईजी 2026 में चयनित पंचायती राज संस्थाओं की उपलब्धियां देशभर की पंचायतों को प्रेरित कर रही हैं, और अनेक पंचायतें अपने गांवों में बेहतर सेवाएं पहुंचाकर समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करने के लिए ऐसे मॉडलों को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सदैव यह बल देते रहे हैं कि सुशासन वही है जो नागरिकों का जीवन सरल बनाए। पारदर्शी और तकनीक सक्षम व्यवस्थाओं के माध्यम से प्राप्त ईज़ ऑफ़ लिविंग ही किसी सरकार की मंशा और क्षमता की सच्ची कसौटी है। यह एक सार्वभौमिक सत्य है कि दूसरों का सम्मान करना स्वयं के सम्मान का मार्ग प्रशस्त करता है। पंचायतों को डिजिटल साधनों से सशक्त बनाकर और उनकी क्षमता पर विश्वास जताकर, केंद्र सरकार ने इस महत्वपूर्ण मंच पर देश को सम्मानित होने का मार्ग प्रशस्त किया है। जैसे-जैसे भारत 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, सशक्त पंचायतों की भूमिका और भी केंद्रीय होती जा रही है। लगभग 90 करोड़ नागरिकों के ग्रामीण भारत में निवास करने के साथ, हमारी पंचायती राज संस्थाओं की मजबूती ही हमारी सामूहिक प्रगति की गति तय करेगी। विकसित पंचायत, विकसित भारत से अलग नहीं, बल्कि उसकी सबसे मजबूत नींव है। ये चार राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार बेहतर प्रदर्शन, प्रगति और निरंतर आगे बढ़ने के प्रतीक हैं। ये जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे प्रत्येक सरपंच, पंचायत सचिव और महिला जनप्रतिनिधि के लिए एक प्रेरणा हैं कि उनके समर्पण और प्रयासों को पहचान मिल रही है, उनकी सराहना की जा रही है और उन्हें सम्मानित किया जा रहा है। बारह वर्षों के निरंतर प्रयासों ने ही ऐसी उत्कृष्टता के उभरने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है। एनएईजी 2026 में मिली पहचान से लेकर देशभर में बढ़ती सेवा से समृद्धि कार्यशालाओं की गति तक, यह सफलता इस बात की पुष्टि करती है कि ग्रामीण भारत में ई-गवर्नेंस की जड़ें वास्तव में गहरी हो चुकी हैं, और विकसित पंचायत के माध्यम से विकसित भारत के निर्माण की यह यात्रा हर गुजरते वर्ष के साथ और सशक्त होती जा रही है।

सभ्यता के अंत की शुरुआत, लालच से भरे युद्ध।

संजीव ठाकुर, रायपुर छत्तीसगढ़

मानव सभ्यता ने हजारों वर्षों की यात्रा में ज्ञान, विज्ञान, संस्कृति और लोकतंत्र के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष विज्ञान, चिकित्सा और संचार के क्षेत्र में मानव ने ऐसी उपलब्धियाँ अर्जित की हैं जिनकी कल्पना भी कभी असंभव मानी जाती थी। किंतु विडंबना यह है कि जितनी तेजी से विज्ञान आगे बढ़ा है, उतनी ही तीव्रता से सत्ता, वर्चस्व और स्वार्थ की राजनीति भी विकसित हुई है। आज विश्व के अनेक क्षेत्रों में युद्ध की विभीषिका यह संकेत दे रही है कि मनुष्य ने तकनीक तो आधुनिक बना ली, परंतु अपनी चेतना को अभी भी संकीर्ण स्वार्थों से मुक्त नहीं कर पाया। आज अमेरिका, रूस, चीन, इज़राइल, ईरान, उत्तर कोरिया तथा अनेक क्षेत्रीय शक्तियाँ प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से शक्ति-प्रदर्शन की प्रतिस्पर्धा में लगी हुई हैं। कहीं आर्थिक प्रतिबंध हथियार बन रहे हैं, कहीं व्यापारिक युद्ध, कहीं साइबर आक्रमण, तो कहीं मिसाइलों और ड्रोन की वर्षा। ऐसा प्रतीत होता है कि वैश्विक राजनीति का मूल उद्देश्य मानव कल्याण नहीं, बल्कि प्रभुत्व स्थापित करना बन गया है।

रूस-यूक्रेन युद्ध ने पूरी दुनिया को यह दिखा दिया कि किसी क्षेत्रीय संघर्ष का प्रभाव सीमित नहीं रहता। लाखों लोग विस्थापित हुए, हजारों सैनिक और नागरिक मारे गए, खाद्यान्न संकट उत्पन्न हुआ, ऊर्जा की कीमतें बढ़ीं और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव पड़ा। इसी प्रकार मध्य-पूर्व में इज़राइल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव केवल दो देशों का विवाद नहीं, बल्कि पूरे विश्व की सामरिक स्थिरता को प्रभावित करने वाला प्रश्न बन चुका है। विश्व की महाशक्तियाँ अपने-अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देती हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का कहना है कि "रूस अपनी सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों से कभी समझौता नहीं करेगा।" यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की बार-बार कहते रहे हैं कि स्वतंत्रता किसी भी राष्ट्र का सबसे बड़ा अधिकार है और उसकी रक्षा हर कीमत पर की जाएगी।

शी-लीप्स : लखपति दीदियों के लिए डिजिटल सशक्तिकरण : महिला नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूह उद्यमों के लिए डेटा-संचालित विकास को सक्षम बनाना

>>> डिजिटल सशक्तिकरण के माध्यम से ग्रामीण आजीविका में परिवर्तन लाना

शी-लीप्स का अर्थ समृद्धि और स्थिरता के लिए स्वयं-सहायता उद्यमी-आजीविका और उद्यम एप्लीकेशन है। यह भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए एक डिजिटल मंच है। इसे उद्यम निर्माण और प्रदर्शन ट्रैकिंग के लिए एक एकीकृत मंच के माध्यम से किया जा रहा है। शी-लीप्स ग्रामीण महिलाओं के लिए आजीविका सृजन, उद्यम विकास और वित्तीय समावेशन का समर्थन करता है। यह कृषि और गैर-कृषि दोनों प्रकार के ग्रामीण उद्यमों को सहायता प्रदान करता है, जिसका उद्देश्य एक मजबूत और अधिक दीर्घकालिक ग्रामीण अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है।

शी-लीप्स मोबाइल एप्लिकेशन को डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन द्वारा तैयार किया गया है और इसे एलओकेओएस प्लेटफॉर्म के अंतर्गत कार्यान्वित किया गया है। एलओकेओएस एक डिजिटल सिस्टम है जिसे भारत भर में सामुदायिक संगठनों (सीबीओ) की गतिविधियों को रिकॉर्ड करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इनमें स्वयं सहायता समूह, ग्राम संगठन और क्लस्टर स्तरीय संघ शामिल हैं। एलओकेओएस सीबीओ की गतिविधियों को डिजिटाइज़ करने में सहायता करता है, जैसे कि सदस्यों के रिकॉर्ड, वित्तीय लेनदेन और आजीविका संबंधी रिकॉर्ड रखना और समन्वय पहलों पर निगरानी रखना।

शी-लीप्स का शुभारंभ 29 जून, 2026 को नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन में किया गया। ग्रामोदय से राष्ट्रोदय विषय पर आधारित इस दो दिवसीय सम्मेलन में प्रमुख ग्रामीण विकास योजनाओं के कार्यान्वयन और प्रगति की समीक्षा की गई। इसका मुख्य उद्देश्य सरकार के 'विकसित ग्राम- विकसित भारत' के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए रणनीतियां तैयार करना था।

शी-लीप्स का राष्ट्रव्यापी शुभारंभ

शी-लीप्स निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने पर केंद्रित है:

देशभर में ग्रामीण स्वयं सहायता समूह की महिला उद्यमियों को सशक्त बनाना। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों का सृजन और उन्हें मजबूत बनाना। ग्रामीण उत्पादकों को औपचारिक मूल्य श्रृंखलाओं से एकीकृत करना।

स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) परिवारों की वित्तीय समावेशन को बढ़ाना। डेटा आधारित ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देना। शी-लीप्स को 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कार्यान्वित किया जाएगा। यह चयनित राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशनों की सहायता करेगा।

यह प्लेटफॉर्म वास्तविक समय में उद्यमों का डेटा एकत्र करता है, जिससे ग्रामीण आर्थिक गतिविधियों की बेहतर जानकारी मिलती है। इसके परिणामस्वरूप, यह प्रणाली कई स्तरों पर निगरानी को भी मजबूत करती है। इससे स्थानीय और राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर निर्णय लेने में सहायता मिलेगी।

उद्यम विकास के लिए डिजिटल सेवाएं

शी-लीप्स विभिन्न क्षेत्रों में वास्तविक समय के परिचालन डेटा को एकत्रित करता है और आजीविका की पूरी यात्रा की निगरानी करता है। यह प्लेटफॉर्म प्रोफाइल निर्माण से लेकर उद्यम प्रदर्शन ट्रैकिंग तक हर चरण में सहायता प्रदान करता है। यह डिजिटल निगरानी को और मजबूत बनाता है, शासन में सुधार करता है और बेहतर योजना, हस्तक्षेप और सूचित नीतिगत निर्णयों को सक्षम बनाता है। शी-लीप्स मोबाइल एप्लिकेशन द्वारा दी जाने वाली सेवाएं इस प्रकार हैं:

शी-लीप्स, आय वृद्धि और उद्यम प्रदर्शन की संपूर्ण निगरानी प्रदान करके लखपति दीदी मिशन को मजबूती प्रदान करेगा। हाल ही में, सरकार ने लखपति दीदी योजना का लक्ष्य 3 करोड़ महिलाओं से बढ़ाकर 6 करोड़ कर दिया है।

सरकार अगले पांच वर्षों में लखपति दीदियों के लाभ के लिए 10 लाख करोड़ रुपये जारी करने की योजना बना रही है। यह महिला सशक्तिकरण के प्रति सरकार की एक बड़ी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसलिए, शी-लीप्स मोबाइल एप्लिकेशन बड़े पैमाने पर उद्यम विस्तार को समर्थन देने की इस योजना का एक अभिन्न अंग है।

महिलाओं के नेतृत्व वाली एक सशक्त ग्रामीण अर्थव्यवस्था का निर्माण

शी-लीप्स डिजिटल अवसंरचना, उद्यमिता और महिला सशक्तिकरण को मिलाकर ग्रामीण डिजिटल परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उद्यम विकास को समर्थन देकर और वित्तीय समावेशन को मजबूत करके, यह मंच लखपति दीदी मिशन को देशव्यापी स्तर पर फैलाने में सहायता करेगा।

यह समावेशी और दीर्घकालिक ग्रामीण परिवर्तन का एक प्रमुख प्रेरक बनने के लिए तैयार है।

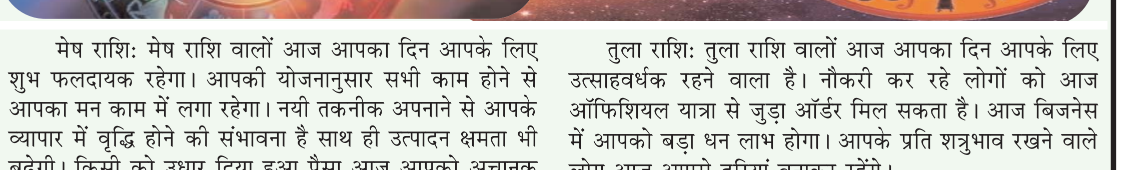

मेष राशि: मेष राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा। आपकी योजनानुसार सभी काम होने से आपका मन काम में लगा रहेगा। नयी तकनीक अपनाने से आपके व्यापार में वृद्धि होने की संभावना है साथ ही उत्पादन क्षमता भी बढ़ेगी। किसी को उधार दिया हुआ पैसा आज आपको अचानक वापस मिल सकता है। व्यापार में किसी व्यक्ति से फायदा मिलने की उम्मीद है।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिये आपको नये अवसर मिलेंगे। आज घर पर किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। वाहन सुख प्राप्त होने के आसार दिख रहे हैं।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज आपके दिन की शुरुआत बेहतरीन रहेगी। किसी करीबी रिश्तेदार की समस्या को हल करने में आज आपकी विशेष भूमिका रहेगी। आज किसी की सलाह मानने से पहले उसके सभी पहलुओं पर अच्छी तरह सोच-विचार जरूर करें।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज आपका दिन नई उम्मीदों से भरा रहेगा। विदेश जाने का सपना आज पूरा होगा। इस राशि के स्टूडेंट्स का दिन राहत भरा होगा। नया स्टडी शेड्यूल बनाने का भी विचार कर सकते हैं। अपना हर काम योजनाबद्ध तरीके से करना और अपने कामों के प्रति एकाग्र रहना आज आपको सफलता दिलाएगा। आज ऑफिस में फोन का इस्तेमाल कम से कम करेंगे और अपने काम पर पूरा फोकस करेंगे।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज आपका दिन पॉजिटिव रहेगा। आज अध्यात्म की ओर आपका रुझान बढ़ेगा और परिवार में धार्मिक अनुष्ठान की योजना बन सकती है। कुछ दिनों से चल रही किसी दोस्त से अनबन आज खत्म हो जाएगी और आपके रिश्ते में मिठास आएगी। राजनीति व सामाजिक कार्यों से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए मिला-जुला अनुभव देने वाला रहेगा। आज आपको किस्मत का साथ मिलने से कार्यों को समय से पूरा करने में सफलता मिलेगी। ऑफिस में किसी जरूरी काम को लेकर विचार-विमर्श करना पड़ सकता है।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए उत्साहवर्धक रहने वाला है। नौकरी कर रहे लोगों को आज ऑफिशियल यात्रा से जुड़ा ऑर्डर मिल सकता है। आज बिजनेस में आपको बड़ा धन लाभ होगा। आपके प्रति शत्रुभाव रखने वाले लोग आज आपसे दूरियां बनाकर रहेंगे।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज घर और व्यवसाय दोनों जगह अच्छा सामंजस्य बना रहेगा। अगर किसी बिजनेस ट्रिप के लिये आप बाहर जा रहे हैं, तो घर के बड़े-बुजुर्ग का आशीर्वाद लेकर जाएं। कामयाबी अवश्य मिलेगी। आज आपके जीवनसाथी को तरक्की का अच्छा अवसर मिलेगा।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है। आज आप अपने मन की बात किसी खास मित्र से शेयर करेंगे। परिवार वालों के साथ बाहर मूवी का प्लान बन सकता है। आज किसी दोस्त की बर्थडे पार्टी में जाएंगे, जहां बाकी दोस्तों के साथ इंजॉय करने का मौका मिलेगा।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज आपका दिन व्यस्तता से भरा रहने वाला है। एकाग्र मन से किया गया काम आज लाभदायक साबित होगा। आज आध्यात्मिक कामों में कुछ समय बिताने से मानसिक सुकून महसूस करेंगे। आज किसी भी जिम्मेदारी को अनदेखा करने से बचें। स्वास्थ्य में स्थिरता बनी रहेगी।

कुंभ राशि: कुंभ राशि वालों आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। आप परिवार वालों के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करेंगे। साथ ही जीवनसाथी के साथ किसी जरूरी मुद्दे पर आपकी लंबी बातचीत हो सकती है। इससे आपके रिश्ते बेहतर होंगे। दोस्तों के साथ घर पर ही मूवी देखने की प्लानिंग कर सकते हैं। विद्यार्थी आज अपना समय व्यर्थ में जाया करने से बचें। साथ ही अपनी स्टडी प्लानिंग को रिन्यू करें।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज आपका दिन नए विचारों के साथ शुरू होने वाला है। आपका अच्छा व्यवहार समाज में सबसे अलग और नई पहचान बनाने में मदद करेगा। घर पर डेकोरेशन का काम करवा सकते हैं। कॉन्ट्रैक्टर्स के लिए आज का दिन धनलाभ देने वाला है।

"जल नायक" मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल-आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता मध्यप्रदेश

भारतीय संस्कृति में जल को केवल एक प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का साक्षात स्वरूप और चेतना का प्रतीक माना गया है। प्राचीन ग्रंथों में 'अप: पुरुषरूपेण' कहकर जल की वंदना की गई है, जिसका सीधा अर्थ है कि जल में ही साक्षात ईश्वर का वास है। इसी पावन और दूरदर्शी सोच को आत्मसात करते हुए यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जल संरक्षण को एक राष्ट्रीय जन आंदोलन का रूप दिया है। उन्होंने जल को विकास का प्रमुख पैमाना बनाते हुए 'हर घर जल' के संकल्प को साकार किया। उनके मार्गदर्शन में जल शक्ति मंत्रालय का गठन, जल जीवन मिशन, नमामि गंगे, अमृत सरोवर मिशन और जल शक्ति अभियान जैसी ऐतिहासिक पहलें हुईं, जिन्होंने देश को जल संरक्षण की एक नई दिशा दी। प्रधानमंत्री श्री मोदी के इसी वैश्विक और दूरदर्शी दृष्टिकोण को धरातल पर उतारते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्य में जल क्रांति का सूत्रपात किया है। उन्होंने जल संरक्षण को एक सरकारी कार्यक्रम से आगे बढ़ाते हुए संस्कृति, आदत और राष्ट्र निर्माण का हिस्सा बना दिया है, जिसके कारण आज उन्हें संपूर्ण प्रदेश में एक जनप्रिय 'जल नायक' के रूप में देखा जा रहा है।

उज्जैन विकास प्राधिकरण से मुख्यमंत्री पद तक- 22 वर्षों से अधिक का भागीरथ संकल्प

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की जल संपदा को सहेजने और पर्यावरण संरक्षण की यह यात्रा कोई तात्कालिक प्रयास नहीं है, बल्कि इसके पीछे 22 वर्षों से अधिक का अथक परिश्रम, संवेदनशीलता और दूरगामी सोच है। इस यात्रा की शुरुआत तब हुई जब उन्होंने उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाली। पदभार ग्रहण करते ही उन्होंने उज्जैन की

सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित करने को अपने जीवन का मुख्य ध्येय बना लिया। महान सम्राट विक्रमादित्य के सुशासन, उनके नवरत्नों की गौरवशाली परंपरा तथा मालवा की जीवनदायिनी माँ शिप्रा के संरक्षण और जल संवर्धन के प्रति उनकी गहरी आस्था ने एक व्यापक सांस्कृतिक चेतना को जन्म दिया। उनके द्वारा आरंभ की गयी शिप्रा तीर्थ परिक्रमा धार्मिक आस्था को सशक्त करने के साथ-साथ उज्जैन और शिप्रा नदी से जुड़े सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं पर्यटन महत्व को पुनर्स्थापित कर रही है। इस पहल के माध्यम से शिप्रा के घाटों, तीर्थ स्थलों और प्राचीन परंपराओं को जनभागीदारी से जोड़ते हुए नदी संरक्षण महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। मध्यप्रदेश सरकार धार्मिक परंपराओं के संरक्षण, स्थानीय अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ीकरण तथा जन सामान्य सीधे जुड़ रहा है। एक युवा जननेता के रूप में उन्होंने तत्कालीन समय में ही यह समझ लिया था कि बिना जल स्रोतों के संरक्षण के किसी भी सभ्यता या नगर का विकास दीर्घकालिक नहीं हो सकता और अगर इस चिंता पर समाधान के कार्य नहीं किए गए तो भविष्य के लिए सकंट पैदा होगा। उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष से लेकर राज्य के मुख्यमंत्री पद तक की अपनी यात्रा में डॉ. मोहन यादव ने हमेशा जल संवर्धन के मुद्दों को शीर्ष प्राथमिकता पर रखा। वे समय-समय पर तत्कालीन मुख्यमंत्रियों और नीति-निर्माताओं को माँ शिप्रा के संरक्षण एवं जल संवर्धन के लिए प्रेरित करते रहे। वर्षों से उनके मन में नदियों और पर्यावरण के प्रति जो संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता रही, वही आज मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में 'जल गंगा संवर्धन अभियान' जैसे विराट जनआंदोलन के रूप में साकार हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पिछले दो दशकों में जल संरक्षण के जो बीज बोए थे, वे आज एक विशाल वटवृक्ष बनकर पूरे मध्यप्रदेश को अपनी शीतलता और समृद्धि से सराबोर कर रहे हैं। उनकी इसी सजगता, दूरदर्शिता और अटूट निष्ठा ने उन्हें मध्यप्रदेश के 'जल नायक' के रूप में स्थापित किया है।

आस्था की जीवनदायिनी माँ शिप्रा का पुनरुद्धार और अविरल प्रवाह

मध्यप्रदेश को नदियों का मायका कहा जाता है और इसी मायके की सबसे पवित्र और पूजनीय नदियों में से एक है माँ शिप्रा। मालवा की गंगा कही जाने वाली और प्राचीन नगरी अवंती को अपने आंचल में समेटने वाली शिप्रा नदी सिर्फ एक जलधारा नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की अगाध आस्था का केंद्र है। इसी पावन तट पर विश्व प्रसिद्ध 'सिंहस्थ' महापर्व का आयोजन होता है, जहाँ बाबा महाकाल की छत्रछाया में देश-विदेश से आए श्रद्धालु पुण्य लाभ कमाते हैं।

जम्मू-कश्मीर : गांदरबल में सोनमर्ग सुरंग के पास सीआरपीएफ की गाड़ी पलटी, हादसे में 6 जवान घायल

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में शुक्रवार को एक सड़क हादसे में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 6 जवान घायल हो गए। श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोनमर्ग के गगनगीर सुरंग के पास सीआरपीएफ का एक वाहन अचानक अनियंत्रित होकर सड़क से फिसल गया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वाहन का संतुलन बिगड़ने के कारण यह हादसा हुआ। दुर्घटना के समय वाहन में सवार छह जवान घायल हो गए। हादसे के तुरंत बाद राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंचा और सभी जवानों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। घायल जवानों को घटनास्थल पर प्राथमिक उपचार देने के बाद बेहतर इलाज के लिए गुंड स्थित सीआरपीएफ शिविर और नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों के अनुसार, सभी जवानों का इलाज जारी है। घटना के बाद स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस और संबंधित एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि हादसा चालक से हुई चूक, तकनीकी खराबी या किसी अन्य कारण से हुआ। जांच पूरी होने के बाद ही दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

बेंगलुरु डेकेयर में क्रूरता मामले में दो महिला केयरटेकर गिरफ्तार, गृहमंत्री प्रियांक बोले- ऐसी घटना अस्वीकार्य

बेंगलुरु (आरएनएस)। बेंगलुरु के डेकेयर सेंटर मासूम बच्चों के साथ क्रूरता मामले में अब एक बड़ी खबर सामने आ रही है। मासूम बच्चे को बेरहमी से प्रताड़ित करने और उसके साथ मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार किया है। बेंगलुरु पुलिस कमिश्नर के मुताबिक, पकड़ी गई महिला इस मामले में दर्ज एफआईआर में दूसरी आरोपी है। डेकेयर सेंटर के भीतर का एक वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने फुटेज की बारीकी से जांच की, जिसके आधार पर इस महिला की पहचान की गई और उसे हिरासत में ले लिया गया। पुलिस अब आरोपी महिला को कोर्ट में पेश कर आगे की पूछताछ के लिए रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है।

दिल्ली में बीजेपी की हाई-लेवल मीटिंग, अमित शाह के आवास पर जुटे बड़े नेता

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के भीतर संगठनात्मक बदलावों और आगामी चुनावी रणनीतियों को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। इसी सिलसिले में गुरुवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के सरकारी आवास पर एक बेहद महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय बैठक बुलाई गई। करीब ढाई घंटे तक चली इस मैराथन बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष समेत कई शीर्ष दिग्गज शामिल हुए। हालांकि, बंद कमरे में हुई इस चर्चा के आधिकारिक एजेंडे को लेकर पार्टी की ओर से कोई औपचारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में इसके कई बड़े मायने निकाले जा रहे हैं।

यूपी दौरे से पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष की बड़ी बैठक

इस बैठक को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के आगामी 4-5 जुलाई को होने वाले उत्तर प्रदेश दौरे से सीधे जोड़कर देखा जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी के इस शीर्ष नेतृत्व के बीच देश के सबसे बड़े राज्य यूपी के संगठनात्मक ढांचे को लेकर गंभीर मंथन हुआ है। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ संगठन महामंत्री बीएल संतोष की मौजूदगी यह साफ संकेत देती है कि पार्टी आलाकमान उत्तर प्रदेश में संगठन को नए सिरे से चुस्त-दुरुस्त करने की पूरी रूपरेखा तैयार कर चुका है। चर्चा है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल में संभावित फेरबदल और विस्तार की सुगबुगाहटों के बीच भाजपा संगठन को भी पूरी तरह से री-मॉडल करने की तैयारी में है। रणनीतिक रूप से यह माना जा रहा है कि सरकार के कुछ वरिष्ठ चेहरों को संगठनात्मक जिम्मेदारियों में वापस लाया जा सकता है। इसके साथ ही, भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व इस बार अनुभवी दिग्गजों के साथ-साथ ऊर्जावान और युवा चेहरों को संगठन की मुख्यधारा में लाकर एक नया संतुलन बनाने का प्रयास कर रहा है। नई टीम के गठन को लेकर भी इस बैठक में गहन विचार-विमर्श होने की खबरें हैं।

मिशन 2027: उत्तर प्रदेश फतेह करने का खाका

राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के इस यूपी दौरे का मुख्य उद्देश्य साल 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की चुनावी रणनीति और बिसात को अंतिम रूप देना है। पार्टी राज्य में किसी भी स्तर पर ढील देने के मूड में नहीं है। यही वजह है कि इस अहम दौरे से ठीक पहले भाजपा ने बीती गुरुवार को अपने सांगठनिक ढांचे को मजबूती देने के लिए एक बड़ा कदम उठाया था, जिसके तहत राज्य के सभी छह क्षेत्रीय अध्यक्षों को बदल दिया गया था।

पीएम मोदी के दौरे से पहले न्यूजीलैंड का बड़ा संकेत, भारत की आर्थिक ताकत पर जताया भरोसा

दिल्ली (आरएनएस)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच बढ़ते रणनीतिक और आर्थिक सहयोग को एक नया आयाम देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले सप्ताह न्यूजीलैंड की अपनी पहली ऐतिहासिक आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। इस बेहद महत्वपूर्ण दौरे को लेकर न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने अपनी गहरी खुशी और उत्साह जाहिर किया है। पीएम लक्सन ने स्पष्ट किया कि वैश्विक पटल पर भारत की भूमिका अद्वितीय है और न्यूजीलैंड की भविष्य की आर्थिक समृद्धि के लिए भारत सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार देशों में से एक बन चुका है।

दोनों देशों के बीच हाल ही में हुए ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (FTA) के ठीक दो महीने बाद हो रही यह यात्रा दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को एक नए युग में ले जाने का काम करेगी।

पीएम क्रिस्टोफर लक्सन ने एक्स पर जाहिर की खुशी

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ट्विटर) पर एक पोस्ट के जरिए इस दौरे की आधिकारिक जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा, "मुझे यह घोषणा करते हुए बेहद गर्व और खुशी हो रही है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले हफ्ते न्यूजीलैंड की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर आ रहे हैं। भारत वर्तमान में दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे तेजी से बढ़ती हुई प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। न्यूजीलैंड की आर्थिक स्थिरता और समृद्धि के लिए भारत के साथ हमारे

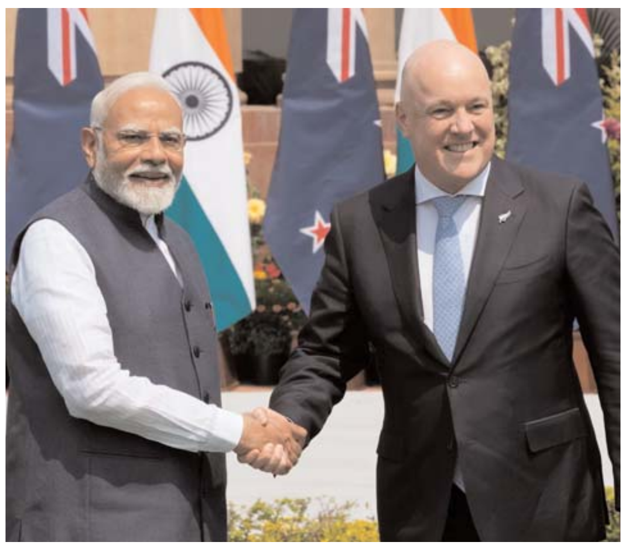

संबंध बेहद अहम हैं।"

प्रधानमंत्री लक्सन ने भारत के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते (FTA) की सराहना करते हुए कहा कि अप्रैल में दोनों देशों के बीच हुए इस समझौते के जरिए हम अपने द्विपक्षीय रिश्तों को एक ऐतिहासिक स्तर पर ले जा रहे हैं। रोजगार और निर्यात में वृद्धि: इस समझौते से न्यूजीलैंड के भीतर रोजगार के हजारों नए अवसर पैदा होंगे, हमारा अंतरराष्ट्रीय निर्यात बढ़ेगा और देश का आर्थिक ढांचा मजबूत होगा।

1.4 अरब का विशाल भारतीय बाजार: यह समझौता न्यूजीलैंड की वस्तुओं और सेवाओं के लिए 1.4 अरब की आबादी वाले विशाल भारतीय बाजार के द्वार खोल देगा। इससे न्यूजीलैंड के स्थानीय समुदायों और उत्पादकों के पास अधिक राजस्व आएगा, जिससे लोगों की व्यक्तिगत आय में भी बड़ा इजाफा होगा।

10 जुलाई को ऑकलैंड पहुंचेंगे पीएम मोदी

राजनयिक प्रोटोकॉल के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 जुलाई को न्यूजीलैंड के प्रमुख शहर ऑकलैंड पहुंचेंगे और 11 जुलाई को अपनी व्यस्त व्यस्तताओं के बाद वहां से रवाना होंगे। उल्लेखनीय है कि भारत और न्यूजीलैंड ने 16 मार्च 2025 को मुक्त व्यापार समझौते (FTA) के लिए औपचारिक बातचीत शुरू करने की घोषणा की थी। दोनों देशों के शीर्ष राजनयिकों और व्यापार मंत्रालयों ने दिन-रात काम करके रिकॉर्ड 9 महीनों के भीतर इस पूरी जटिल वार्ता को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया, जो वैश्विक व्यापार के इतिहास में अब तक का सबसे तेजी से पूरा होने वाला मुक्त व्यापार समझौता (Fastest FTA) बन गया है।

15 साल बाद मिला न्याय, पुलिस कस्टडी में बेगुनाह की मौत पर थानेदार समेत 9 पुलिसकर्मियों को उम्रकैद

वाशिम (आरएनएस)। महाराष्ट्र के वाशिम से एक बेहद सनसनीखेज और न्याय व्यवस्था पर अटूट भरोसा जगाने वाली खबर सामने आई है। करीब 15 साल पहले एक बेगुनाह युवक को पुलिस कस्टडी में बेरहमी से पीट-पीटकर मार डालने के मामले में जिला अदालत ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। वाशिम जिला सत्र अदालत ने इस खौफनाक वारदात में शामिल तत्कालीन थानेदार (SHO) समेत कुल 9 पुलिसकर्मियों को उम्रकैद की सख्त सजा सुनाई है। इस फैसले ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि कानून के हाथ बेहद लंबे होते हैं और भले ही न्याय मिलने में देरी हो, लेकिन दोषियों को उनके किए की सजा जरूर मिलती है।

आधी रात को पूछताछ के बहाने उठाया, फिर पीट-पीटकर ले ली जान

यह पूरा रोंगटे खड़े कर देने वाला मामला 10 मई का है, जो करीब 15 साल पुराना है। रिसोड़ पुलिस ने रात के 3 बजे पारधी समाज से ताल्लुक रखने वाले बेग्या पवार नाम के एक युवक को उसके ही घर से उठाया था। उस वक्त परिजनों से सिर्फ इतना कहा गया था कि वे बेग्या को सामान्य पूछताछ के लिए ले जा रहे हैं। लेकिन थाने ले जाने के बाद रक्षक ही भक्षक बन गए और पुलिसकर्मियों ने उसकी इतनी बेरहमी से पिटाई की कि कस्टडी में ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई। बाद में जब मृतक की मेडिकल जांच (पोस्टमार्टम) हुई, तो रिपोर्ट में उसके शरीर की कई हड्डियां टूटने की पुष्टि हुई थी। हैरान करने वाली बात यह थी कि बेग्या पवार पर पहले से कोई भी आपराधिक रिकॉर्ड दर्ज नहीं था और घटना से महज एक साल पहले ही उसकी शादी हुई थी।

ठाणे में टाइटन हॉस्पिटल के पास घोड़बंदर रोड पर सड़क के डिवाइडर से टकराने के बाद एक ट्रक कासरवडवाली फ्लाईओवर से खतरनाक ढंग से लटका हुआ है।

थलापति विजय ने कर दिया खेला, एआईएडीएमके में लगाई बड़ी सेंध, तीन पूर्व मंत्री समर्थकों समेत TVK में शामिल

चेन्नई ,(आरएनएस)। तमिलनाडु की राजनीति में इन दिनों एक बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री और मशहूर अभिनेता थलापति विजय की पार्टी 'तमिलगा वेत्री कषगम' (TVK) का ग्राफ राज्य में तेजी से ऊपर जा रहा है। मुख्यमंत्री विजय ने विपक्षी खेमे में बड़ी सेंधमारी करते हुए ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (AIADMK) को गहरा झटका दिया है। गुरुवार को मामल्लापुरम में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम के दौरान IADMK के तीन दिग्गज नेता और पूर्व मंत्री अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ टीवीके में शामिल हो गए। वहीं, इस पूरे घटनाक्रम पर DMK ने चुटकी लेते हुए 'वॉशिंग मशीन' का तंज कसा है।

AIADMK के इन दिग्गजों ने थामा TVK का दामन

टीवीके के महासचिव एन. आनंद की मौजूदगी में AIADMK के जिन तीन बड़े नेताओं ने पार्टी छोड़ी है, उनमें पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. सी. विजयभास्कर, पूर्व परिवहन मंत्री एम. आर. विजयभास्कर और 45 सालों तक AIADMK से जुड़े रहे एम. एस. एम. आनंदन शामिल हैं। टीवीके में शामिल होने से पहले सी. विजयभास्कर ने विरालीमलाई सीट से और एम. आर. विजयभास्कर ने करूर सीट से विधायक पद से इस्तीफा दे दिया। इन नेताओं ने मुख्यमंत्री विजय के कामकाज और विजन की जमकर तारीफ की। पूर्व मंत्री आनंदन ने कहा कि उन्हें तमिलनाडु का राजनीतिक भविष्य अब टीवीके में ही नजर आता है। उन्होंने किसी भी तरह की 'खरीद-फरोख्त' के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया।

AIADMK नेतृत्व पर साधा निशाना, बताया 'कॉरपोरेट कंपनी'

टीवीके में शामिल हुए नेताओं ने अपनी पुरानी पार्टी AIADMK के मौजूदा नेतृत्व और पार्टी महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी पर तीखे हमले किए।

बाबा अमरनाथ के दर्शन को उमड़ा आस्था का सैलाब, पवित्र गुफा की ओर बढ़े श्रद्धालु

श्रीनगर/जम्मू ,(आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के सुप्रसिद्ध बाबा बर्फानी धाम में आज से पवित्र अमरनाथ यात्रा का औपचारिक आगाज हो गया है। तड़के सुबह सुरक्षा और आस्था के अनूठे संगम के बीच श्रद्धालुओं का पहला जत्था कश्मीर घाटी के बेस कैंपों से पवित्र गुफा की ओर रवाना कर दिया गया। इससे पहले, यह जत्था जम्मू से रवाना होकर पूरी तरह सुरक्षित तरीके से पहलगाम पहुंचा था। हिमालय की दुर्गम वादियों में बाबा भोलेनाथ के जयकारों की गूंज और श्रद्धालुओं का अटूट विश्वास इस बात की गवाही दे रहा है कि कठिन रास्तों पर भी आस्था भारी है।

दो प्रमुख बेस कैंपों से बम-बम भोले की गूंज

इस वर्ष अमरनाथ यात्रा पर आने वाले शिवभक्तों की सुविधा और सुविधा के लिए प्रशासन की ओर से दो मुख्य बेस कैंप स्थापित किए गए हैं। इनमें पहला पहलगाम का नुनवान बेस कैंप और दूसरा गांदरबल जिले का बालटाल (डोमेल) बेस कैंप है। शुक्रवार सुबह दोनों ही मार्गों से यात्रियों के काफिले ने पवित्र गुफा की ओर अपने कदम बढ़ा दिए। कड़ाके की ठंड और पहाड़ों की कठिन चढ़ाई के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था और हर कोई बाबा बर्फानी की एक झलक पाने के लिए बेताब नजर आया।

पवित्र अमरनाथ गुफा के दर्शन के लिए तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को सुबह ठीक 4 बजे ट्रैक पर रवाना किया गया। हालांकि, तड़के सुबह इलाके में हुई हल्की बारिश के कारण यात्रा की शुरुआत में थोड़ा विलंब हुआ। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार इस जत्थे को सुबह 3 बजे ही रवाना किया जाना था, लेकिन मौसम के मिजाज को देखते हुए अधिकारियों ने कुछ देर इंतजार करना बेहतर समझा। इस देरी के बावजूद भक्तों के उत्साह में कोई कमी नहीं आई और वे लगातार भजन-कीर्तन करते हुए भोलेनाथ का स्मरण करते रहे।

कड़े सुरक्षा घेरे में घाटी पहुंचे श्रद्धालु, उपराज्यपाल ने दिखाई हरी झंडी

इससे पहले, अमरनाथ यात्रा के इस पहले आधिकारिक जत्थे को जम्मू के भगवती नगर स्थित यात्री निवास से जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। इस जत्थे में 4800 से अधिक तीर्थयात्री शामिल थे। पूरे काफिले को अर्धसैनिक बलों की कड़ी निगरानी में कश्मीर घाटी पहुंचाया गया। जैसे ही श्रद्धालुओं का यह दल कश्मीर की सीमा में दाखिल हुआ, वहां का नजारा बेहद खूबसूरत हो गया। दक्षिण कश्मीर रेंज के उपमहानिरीक्षक (DIG) जाविद इकबाल मट्टू सहित नागरिक और प्रशासनिक अधिकारियों ने यात्रियों का माला पहनाकर और गुलदस्ते भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया

एक ही नंबर प्लेट की दो कार, दोनों के मालिक डॉक्टर, अंतर पहचानना मुश्किल; लोकिन पेट्रोल पंप पर हुआ खेला

ओडिशा (आरएनएस)। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में कार के रजिस्ट्रेशन नंबर से जुड़ा एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। आरोप है कि एक डॉक्टर दूसरे वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर अपनी कार पर लगाकर लंबे समय से राजधानी में बेखौफ घूम रहा था। मामले का खुलासा असली वाहन मालिक के ड्राइवर की शिकायत के बाद हुआ। शिकायत मिलने के बाद चंद्रशेखरपुर थाना पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए संबंधित कार को जब्त कर लिया। साथ ही आरोपी डॉक्टर को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

जानकारी के मुताबिक, OD-02-DL-3332 नंबर असल में किसी दूसरे व्यक्ति की कार का रजिस्ट्रेशन नंबर है, लेकिन इसी नंबर का इस्तेमाल उसी कंपनी और उसी रंग की एक दूसरी कार पर किया जा रहा था। आरोप है कि इस फर्जी नंबर प्लेट के साथ यह कार लंबे समय से राजधानी की सड़कों पर चल रही थी। मामले की जानकारी तब सामने आई जब वाहन के वास्तविक मालिक के ड्राइवर का सामना नकली प्लेट वाली गाड़ी से हो गया। पेट्रोल पंप पर नकली नंबर प्लेट वाली गाड़ी को देखने के बाद ड्राइवर ने शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की और संबंधित वाहन को अपने कब्जे में ले लिया

अम्मा' में सत्ता को लेकर बड़ा विवाद, नई एडहॉक कमेटी को लेकर श्वेता मेनन ने उठाए सवाल

कोच्चि ,(आरएनएस)। मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के कलाकारों का प्रमुख कमेटी 'मलयालम मूवी आर्टिस्ट एसोसिएशन' (अम्मा) एक बार फिर अंदरूनी विवादों के कारण सुर्खियों में है। संगठन में नेतृत्व और नियंत्रण को लेकर चल रहा टकराव अब एक संघर्ष में बदल गया है। पूर्व अध्यक्ष श्वेता मेनन ने नई बनाई गई एड हॉक कमेटी की वैधता पर सवाल उठाया और दावा किया कि मौजूदा परिस्थितियों में उनकी एग्जीक्यूटिव कमेटी की जिम्मेदारी संभालने की हकदार है।

पूरा मामला 21 जून को हुई एनुअल जनरल बॉडी (एजीबी) बैठक के बाद और गंभीर हो गया, जब भारी विरोध के बीच श्वेता मेनन और पूरी एग्जीक्यूटिव कमेटी के सदस्यों ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया था। यह कदम कमेटी के भीतर बढ़ते असंतोष और नेतृत्व पर उठ रहे सवालों के बीच सामने आया था। उस समय माना गया था कि यह इस्तीफा कमेटी में एक बड़े बदलाव की शुरुआत है, लेकिन अब यह फैसला ही नए विवाद का कारण बन गया है।

इस्तीफे के बाद एजीबी ने एक 9 सदस्यीय एड हॉक समिति के गठन को मंजूरी दी, जिसका उद्देश्य तब तक कमेटी का संचालन करना है जब तक नए चुनाव नहीं हो जाते। इस समिति की अध्यक्षता रमेश पिशारोडी को सौंपी गई, जबकि पूर्व विधायक के.बी. गणेश कुमार भी इसके सदस्य बनाए गए हैं। इस फैसले के बाद कमेटी के भीतर दो अलग-अलग खेमे बन गए, जिनमें एक पक्ष नई समिति का समर्थन कर रहा है और दूसरा इसे अवैध बता रहा है। विवाद तब और बढ़ गया जब एड हॉक समिति ने हाल ही में कोच्चि में एक मीटिंग की। इस मीटिंग के बाद श्वेता मेनन ने सोशल मीडिया पर एक विस्तृत बयान जारी कर कमेटी की कार्यप्रणाली और नई समिति की वैधता पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अम्मा के नियमों के अनुसार जब तक नई कार्यकारिणी का चुनाव नहीं होता, तब तक पुरानी कार्यकारिणी ही कमेटी की प्रशासनिक जिम्मेदारी संभालती है। ऐसे में एड हॉक समिति का गठन नियमों के खिलाफ है और इसका कोई कानूनी आधार नहीं बनता।

केतन हत्याकांड कोर्ट में पेश होंगे सिया और चेतन, पुलिस मांगेगी रिमांड और पॉलीग्राफ टेस्ट की अनुमति

पुणे,(आरएनएस)। चर्चित केतन अग्रवाल हत्याकांड में मुख्य आरोपी सिया गोयल और सह-आरोपी चेतन चौधरी को शुक्रवार को एक बार फिर वडगांव कोर्ट में पेश किया जाएगा। दोनों की पुलिस रिमांड शुक्रवार को समाप्त हो रही है। ऐसे में लोनावला ग्रामीण पुलिस कोर्ट से उनकी पुलिस रिमांड बढ़ाने की मांग करेगी। साथ ही, दोनों आरोपियों का पॉलीग्राफ टेस्ट कराने की अनुमति भी मांगी जाएगी, ताकि मामले से जुड़े अहम तथ्यों का पता लगाया जा सके। पुलिस जांच लगातार आगे बढ़ रही है। 2 जुलाई को जांच के सिलसिले में पुलिस सिया गोयल को उसके घर लेकर गई थी। वहां से पुलिस ने सिया की एक पैंट जब्त की, जिसे जांच के लिए महत्वपूर्ण साक्ष्य माना जा रहा है। वहीं, गुरुवार को लोनावला ग्रामीण पुलिस ने सिया गोयल और चेतन चौधरी से कई घंटों तक गहन पूछताछ की। फिलहाल दोनों आरोपी वडगांव पुलिस स्टेशन के लॉकअप में बंद हैं।

पुलिस के मुताबिक, अब तक की जांच में कई डिजिटल सबूत जुटाए जा चुके हैं। इसके अलावा, जिस जगह केतन अग्रवाल की हत्या हुई थी, वहां दोनों आरोपियों की मौजूदगी में पूरे घटनाक्रम का सीन रिक्रिएशन भी कराया गया है, ताकि वारदात की कड़ियों को विस्तार से समझा जा सके।

इससे पहले इस मामले में पुलिस ने एक और चौंकाने वाला खुलासा किया था। पूछताछ के दौरान सिया गोयल और चेतन चौधरी ने कथित तौर पर स्वीकार किया कि उन्होंने केतन की हत्या से पहले उसकी मर्डर रिहर्सल की थी। पुलिस के अनुसार, दोनों पहले पुणे के लुल्ला नगर स्थित पहाड़ी इलाके, जो सैन्य (मिलिट्री) क्षेत्र के पास है, वहां पहुंचे और यह परखा कि किसी व्यक्ति को पहाड़ी से धक्का देने पर उसकी मौत हो सकती है या नहीं।

पाकिस्तान में अज्ञात बंदूकधारियों के हमले में 2 पुलिस अधिकारियों की मौत, एक पुलिसकर्मी घायल

पेशावर,(ए.)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में पुलिस टीम पर अज्ञात बंदूकधारियों ने हमला कर दिया। इस हमले में दो पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई है, जबकि एक पुलिसकर्मी घायल है।

घटना के बाद अज्ञात बंदूकधारी मौके से फरार हो गए। आनन-फानन में घायल पुलिसकर्मी को अस्पताल में ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। वहीं हमले के बाद पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण भी किया। पुलिस का कहना है कि अज्ञात आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग की और फिर वह फरार हो गए। फिलहाल घटना में शामिल लोगों को पकड़ने की कोशिश की जा रही है। वहीं मामले की जांच भी की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में पुलिस की रूटीन पेट्रोलिंग टीम पर अज्ञात बंदूकधारियों ने फायरिंग कर दी। इस गोलीबारी में एक सीनियर अधिकारी समेत दो पुलिसकर्मी मारे गए। वहीं एक अन्य पुलिसकर्मि गंभीर रूप से घायल हो गया। आतंकवादियों ने गुरुवार देर रात अफगान सीमा के पास खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मोहमंद जिले में पुलिस पेट्रोलिंग पार्टी पर घात लगाकर हमला किया। पुलिस के अनुसार, यह हमला लोअर मोहमंद सब-डिविजन के मचनी अकरब दाग इलाके में हुआ, जहां अज्ञात हमलावरों ने पुलिस की मोबाइल पेट्रोलिंग टीम पर घात लगाकर अंधाधुंध गोलीबारी की। इस फायरिंग में एक एडिशनल स्टेशन हाउस ऑफिसर और एक हेड कॉन्स्टेबल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पुलिस वैन का ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गया। मारे गए पुलिसकर्मियों के शवों और घायल कॉन्स्टेबल को ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। शुरुआती इलाज के बाद, घायल अधिकारी को आगे के इलाज के लिए पेशावर के एक अस्पताल में रेफर कर दिया गया।

यूएन हेडक्वॉर्टर के बाहर तिब्बती युवक ने किया आत्मदाह, आजाद तिब्बत के लिए पिछले 17 साल में 150 जले

न्यूयॉर्क (ए.)। अमेरिका के न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के बाहर 42 साल के एक तिब्बती शख्स ने आत्मदाह कर लिया। वह तिब्बती झंडा लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहा था। इस घटना में उसकी मौत हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक, इस व्यक्ति की पहचान लोब्गा रंगजेन के रूप में हुई है। वह करीब दो दशक से अमेरिका में रह रहा था। घटना गुरुवार शाम करीब 7 बजे मैनहट्टन के ईस्ट 43वीं स्ट्रीट और फर्स्ट एवेन्यू के पास हुई। रंगजेन के शरीर में आग लगते ही आसपास से गुजर रहे वाहनों ने हॉर्न बजाना शुरू कर दिया। कुछ ही देर बाद वह जमीन पर गिर पड़ा। 2 इमरजेंसी वर्कर्स ने करीब 1 मिनट में फायर एक्सटिंग्विशर से आग बुझाई। उसे तुरंत बेलेव्यू अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने इलाके को घेर लिया और जांच शुरू कर दी। घटना स्थल पर एक घंटे बाद भी तिब्बती झंडा मौजूद था।

पाकिस्तान में यात्रियों से खचाखच भरी बस खाई में गिरी, 40 की मौत

इस्लामाबाद (ए.)। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा में शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां यात्रियों से भरी एक बस पथरीली खाई में गिर गई, जिसमें 40 यात्रियों की मौत हुई है। हादसा बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों की सीमा के पास स्थित एक दूरस्थ क्षेत्र दाना सर में हुआ है। घटना के समय बस डेरा इस्माइल खान में प्रांतीय सीमा पार कर पेशावर जा रही थी। बताया जा रहा है कि बस यात्रियों के खचाखच भरी हुई थी।

बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री के मीडिया और राजनीतिक मामलों के सलाहकार शाहिद रिंद ने बताया कि मुख्यमंत्री सरफराज बुगती के निर्देशों पर घटना के तुरंत बाद बचाव कार्य शुरू कर दिया गया था। दोनों प्रांतों के जिला प्रशासन, बचाव दल और अन्य संबंधित विभाग प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि बस क्वेटा से 36 यात्रियों को लेकर रवाना हुई थी, लेकिन रास्ते में खराब बस से उतरे यात्री भी उसमें सवार हो गए थे।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने घटना पर शोक जताते हए एक्स पर घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की और संबंधित विभागों को घायलों के सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री बुगती ने भी घटना पर दुख जताते हुए संबंधित विभागों को बचाव कार्य में तेजी लाने, घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा, बलूचिस्तान सरकार इस कठिन समय में प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है।

पाकिस्तान में यह पहला हादसा नहीं है। ढाई महीने पहले खैबर पख्तूनख्वा के लोअर दिर क्षेत्र के नवागई असबानर इलाके में एक वाहन के गहरी खाई में गिरा था, जिसमें 3 महिलाओं की मौत हुई थी और 2 लोग घायल हुए थे।

इससे पहले, 31 मार्च को प्रांत के ऊपरी चित्राल में 5 यात्रियों को ले जा रही एक जीप फिसलन भरी सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर गई थी। तब एक बच्चे सहित 3 की मौत हुई थी।

कांगो में इबोला वायरस के नए प्रकार के उपचार का परीक्षण शुरू

जिनेवा, (ए.)। अफ्रीकी देश कांगो और युगांडा में फैले इबोला वायरस को लेकर एक राहत भरी खबर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बताया कि बीमारी फैलाने के नए प्रकार के वायरस के संभावित उपचारों का परीक्षण शुरू हो गया है। डब्ल्यूएचओ के प्रमुख टेड्रोस अधानोम घेब्रेयसस ने बताया कि कांगो में पहले मरीज को भर्ती किया गया है, जिस पर परीक्षण चल रहा है। अभी इबोला के बंडीबुग्यो वायरस के रोग के लिए कोई स्वीकृत टीका या उपचार उपलब्ध नहीं है।

वर्तमान परीक्षण डब्ल्यूएचओ द्वारा प्रायोजित है, जिसका समन्वय कांगो में इंस्टीट्यूट नेशनल डी रिसर्च बायोमेडिकल, बेल्जियम में इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक कर रहे हैं। डब्ल्यूएचओ मुख्यालय में टेड्रोस ने कहा कि 2 दवाओं का नैदानिक परीक्षण शुरू हो गया है, जिसमें पहले मरीज का नामांकन किया गया है। उन्होंने कहा कि अनुमोदित उपचारों के बिना भी लोग ठीक हो रहे हैं, लेकिन सुरक्षित और प्रभावी उपचार होने से कई जान बच सकती है।

कांगो और युगांडा में इबोला का मौजूदा

अमेरिका ने ईरान को किया सतर्क, कहा-युद्धविराम शीर्ष वार्ताकारों की हत्या कर सकता है इजरायल

वाशिंगटन, (ए.)। ईरान के साथ हुए युद्ध विराम के बीच अमेरिका ने एक चौंकाने वाला दावा किया है। उसने मध्य पूर्व के देशों से ईरान को सतर्क करने को कहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायल युद्ध विराम वार्ता में शामिल ईरान के शीर्ष वार्ताकारों की संभावित हत्या की साजिश रच सकता है, जिससे बातचीत पटरी से उतर सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस कथित साजिश में ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची और संसद अध्यक्ष मोहम्मद बगेर ग़ालिबफ़ निशाना हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारियों ने स्वीकार किया कि संघर्ष के सबसे तीव्र चरण के दौरान, ईरान की कट्टरपंथी सरकार को गिराने के प्रयास में इजरायल इन दोनों व्यक्तियों को वैध लक्ष्य मान सकता था। हालांकि, अप्रैल में बातचीत शुरू हो गई, जिससे अमेरिका को यह हमला लड़ाई को फिर से भड़काने वाला लगा। अमेरिका इजरायल की युद्ध रणनीति से इतना चिंतित था कि उसने अन्य देशों से ईरान को इस संभावना के बारे में सचेत करने को कहा था।

रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायल हमेशा से शांति वार्ता

को लेकर संशय में रहा है। उसे लग रहा था कि अमेरिका युद्ध को रोकने में जल्दबाजी कर रहा है। इजरायली अधिकारियों को आशंका थी कि समझौते के तहत ईरान को अरबों डॉलर मिलेंगे, जिससे वह तेजी से पुनर्निर्माण करेगा और उसकी परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर रोक नहीं लगेगी। इस बातचीत में अराघची और गलिबाफ केंद्रीय भूमिका में हैं, जिनका पहला उद्देश्य युद्धविराम और फिर अमेरिका के साथ स्थायी शांति स्थापित करना है।

रिपोर्ट के अनुसार, अराघची और गलिबाफ दोनों मार्च से ही इजरायल की लक्ष्य सूची में थे, लेकिन युद्धविराम वार्ता शुरू होने के बाद अमेरिका के आग्रह पर उन्हें सूची से हटा दिया गया था। गालिबाफ 2025 के बाद से 2 बार मौत के मुंह से बाल-बाल बचे हैं। पहली बार पिछले साल के 12 दिवसीय युद्ध के दौरान और दूसरी बार इस साल के संघर्ष की शुरुआत के बाद।

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वैंस के साथ बातचीत के बाद गलिबाफ के तेहरान लौटते समय हत्या का खतरा उभरा था। ईरानी खुफिया एजेंसियों को पता चला था कि इजरायल गलिबाफ के विमान को निशाना बनाने की योजना बना रहा था और 2 इजरायली लड़ाकू विमान ईरानी हवाई क्षेत्र में घुसे थे। गलिबाफ के विमान ने पाकिस्तानी सीमा के सबसे नजदीक ईरान के हवाई अड्डे मशहद में आपातकालीन लैंडिंग की और सड़क मार्ग से तेहरान चले गए थे।

अमेरिका-ईरान-इजरायल के बीच 28 फरवरी को युद्ध शुरू हुआ था, जिसमें सबसे पहले अमेरिका-इजरायल ने सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को मार गिराया था। यह हमला अमेरिकी खुफिया जानकारी पर आधारित था।

फीचर

जल संकट से प्रभावित हो रही पूरी जीवन शैली : कनिका महेश्वरी

मुंबई (ए.)। टीवी अभिनेत्री कनिका महेश्वरी ने मुंबई में लगातार गहराते जल संकट के बीच अपनी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने सरकार से जल प्रबंधन को लेकर दीर्घकालिक और प्रभावी योजना तैयार करने की अपील की, ताकि लोगों को बार-बार ऐसी परिस्थितियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि पानी का संकट केवल एक बुनियादी सुविधा का अभाव नहीं है, बल्कि यह लोगों की पूरी जीवनशैली और मानसिक स्थिति को प्रभावित करने वाली गंभीर समस्या बन चुका है। कनिका महेश्वरी ने कहा कि जब किसी परिवार को दिन की शुरुआत इस चिंता के साथ करनी पड़े कि खाना बनाने, सफाई करने और अन्य जरूरी घरेलू कामों के लिए पर्याप्त पानी मिलेगा या नहीं, तब पानी के वास्तविक महत्व का एहसास होता है।

कनिका का कहना है कि शहरों में विकास और आधुनिक सुविधाओं की चर्चा तो खूब होती है, लेकिन सम्मानजनक जीवन के लिए सबसे जरूरी चीज नियमित और स्वच्छ पानी की उपलब्धता है। उन्होंने बताया कि पानी की लगातार कमी लोगों को अपनी रोजमर्रा की आदतें बदलने के लिए मजबूर कर देती है। पहले जहां लोग बिना किसी चिंता के शॉवर का इस्तेमाल करते थे, वहीं अब पानी बचाने के लिए बाल्टी से स्नान करना पड़ रहा है। हर लीटर पानी का उपयोग सोच-समझकर करना पड़ता है और लोग अपनी दैनिक जरूरतों को भी सीमित करने लगते हैं। उनके अनुसार, यह स्थिति केवल असुविधा नहीं, बल्कि मानसिक दबाव भी पैदा करती है, जिसे वही व्यक्ति अच्छी तरह समझ सकता है जिसने स्वयं इस परेशानी का सामना किया हो।

अभिनेत्री ने कहा कि मुंबई जैसे तेजी से बढ़ते शहरों में जल प्रबंधन को अस्थायी उपायों के बजाय दीर्घकालिक योजना के रूप में अपनाने की जरूरत है। बढ़ती आबादी के साथ पानी की आपूर्ति व्यवस्था को भी मजबूत बनाया जाना चाहिए, ताकि नागरिकों को हर वर्ष पानी की कमी के कारण अपनी दिनचर्या बदलने के लिए विवश न होना पड़े। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और नियमित जलापूर्ति किसी विशेष सुविधा का विषय नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का बुनियादी अधिकार है। कनिका महेश्वरी ने लोगों से भी पानी के संरक्षण की आदत विकसित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जल बचाने की जिम्मेदारी केवल संकट के समय नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बननी चाहिए। घरों में पानी के रिसाव को तुरंत ठीक कराया जाए, जहां संभव हो वहां पानी का पुन: उपयोग किया जाए और छोटी-छोटी सावधानियां अपनाई जाएं।

मां बनने के सुखद पलों का आनंद ले रही सामंथा रुथ प्रभु

मुंबई (ए.)। साउथ की मशहूर अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु अपने पहले बच्चे को जन्म देने वाली हैं। सामंथा ने निर्देशक राज निदिमोरु के साथ शादी की है और अब दोनों एक नई जिंदगी की शुरुआत के लिए बेहद उत्साहित हैं। सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों मां बनने के सुखद पलों का दिल खोलकर आनंद ले रही हैं। उन्होंने हाल ही में अपनी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की, जिसमें वह अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आईं। सामंथा रुथ प्रभु ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उन्होंने अपना बेबी बंप दिखाया। इस तस्वीर में वह काले रंग के परिधान में नजर आ रही थीं। उन्होंने अपने चेहरे को न दिखाते हुए कैमरे का फोकस खास तौर पर अपने बेबी बंप पर रखा, जिससे यह स्पष्ट था कि वह इस खास पल को पूरी तरह से जी रही हैं। इस तस्वीर पर उन्होंने एक मजेदार और दिल छू लेने वाला कैप्शन भी लिखा, जिसमें उन्होंने कहा, मेरे सिक्स पैक्स, मैं तुम्हें जल्द ही देखूंगी, जब दोबारा मिलना होगा। इसके साथ उन्होंने एक मुस्कुराता हुआ इमोजी भी साझा किया, जो उनकी खुशी और प्रेग्नेंसी के प्रति उनके सहज रवैये को दर्शाता है। यह पोस्ट बताता है कि अभिनेत्री इन दिनों फिल्मों से ब्रेक लेकर अपने मातृत्व के सफर का भरपूर आनंद ले रही हैं।

पिछले महीने ही सामंथा ने हैदराबाद में मां इंची बंगारम फिल्म के सक्सेस मीट के मौके पर मीडिया से बातचीत के दौरान मां बनने की खबर की पुष्टि की थी। उन्होंने बताया था कि वह जल्द ही मैटरनिटी लीव पर जाने वाली हैं, जिससे यह स्पष्ट हो गया था कि वह जल्द ही एक नए मेहमान का स्वागत करने वाली हैं। सामंथा ने अपने पति राज निदिमोरु के साथ मिलकर साल 2021 में द फैमिली मैन सीजन 2 और हाल ही में सिटाडेल- हनी बनी जैसे प्रोजेक्ट्स में काम किया है, जहां दोनों की प्रोफेशनल केमिस्ट्री भी काफी पसंद की गई। सामंथा और राज दोनों की यह दूसरी शादी है। सामंथा की पहली शादी अभिनेता नागा चैतन्य संग हुई थी, जबकि राज ने श्यामली डे से शादी की थी। दोनों ही अपने पिछले रिश्तों से तलाक ले चुके हैं।

फिल्म में लीड हीरो नहीं बनने का कोई मलाल नहीं : अरशद वारसी

मुंबई (ए.)। हाल ही में बॉलीवुड अभिनेता अरशद वारसी ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया, जिसमें उन्होंने बताया कि साल 2013 की हिट फिल्म जॉली एलएलबी में मुख्य भूमिका निभाने के बाद, इसके सीक्वल जॉली एलएलबी 2 में अक्षय कुमार को स्टार बनाने के पीछे उनका ही हाथ था। अरशद वारसी ने अपने तीन दशक लंबे करियर में मुन्ना भाई सीरीज, सहर, इश्किया और जॉली एलएलबी जैसी फिल्मों से अपनी शानदार अभिनय क्षमता का लोहा मनवाया है। अरशद वारसी ने कहा कि उन्हें कभी इस बात का अफसोस नहीं हुआ कि वह हर फिल्म में लीड हीरो नहीं बने। उन्होंने बताया, जहां तक लीड रोल न करने की बात है, तो मेरे करियर के पहले दिन से ही मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ा। मुझे बस अपना काम करना पसंद है। मुझे अच्छी स्क्रिप्ट और अच्छे रोल पसंद हैं। बस इतना हीज अगर आप मेरे पूरे करियर का ग्राफ देखें, तो वह हमेशा ऐसा ही रहा है। उन्होंने आगे बताया कि अपने करियर में उन्होंने कई ऐसी फिल्मों को ठुकराया, जिनमें उन्हें सोलो हीरो बनने का मौका मिल रहा था, क्योंकि उनकी प्राथमिकता हमेशा से दमदार भूमिकाएं रही हैं। जॉली एलएलबी 2 को लेकर अरशद ने बड़ा खुलासा किया।

उन्होंने बताया कि जब फिल्म के निर्माता-निर्देशक सुभाष कपूर इसके दूसरे भाग की तैयारी कर रहे थे और अक्षय कुमार इस रोल में दिलचस्पी दिखा रहे थे, तब उन्होंने खुद सुभाष कपूर को सलाह दी कि फिल्म अक्षय कुमार के साथ बनानी चाहिए। अरशद ने मेकर्स को समझाया और कहा, अगर मैं 500 लोगों को सिनेमाघर तक ला सकता हूं, तो अक्षय कुमार 5000 लोगों को लेकर आएंगे।

मेरे पोस्ट लाइक करने वाले ही सबसे ज्यादा खूबसूरत : काजोल

मुंबई (ए.)। अपने चुलबुले और बेबाक अंदाज के लिए पहचाने जाने वाली अभिनेत्री काजोल की सोशल मीडिया पोस्ट भी उतनी ही चटपटी होती है। जब भी सोशल मीडिया पर काजोल कुछ पोस्ट करती हैं, तो उनके फैंस उसे खूब पसंद करते हैं। इस बार भी उन्होंने अपनी एक नई मुस्कुराती हुई फोटो पोस्ट की, लेकिन उससे ज्यादा चर्चा उनके साथ लिखे गए मजेदार और आत्मविश्वासी कैप्शन की हो रही है, जिसने उनके प्रशंसकों को खूब गुदगुदाया।

काजोल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कार के अंदर क्लिक की गई अपनी एक मुस्कुराती हुई सेल्फी साझा की। इस तस्वीर में वह गुलाबी रंग की खूबसूरत साड़ी में नजर आ रही थीं, जिसके साथ उन्होंने डायमंड और रूबी चोकर नेकलेस पहन रखा था। उनके लाइट मेकअप के साथ उनका लुक काफी आकर्षक और दिलकश लग रहा था। इस मनमोहक तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में अपने ही अंदाज में लिखा, मेरी बनाई हुई एक स्टडी के अनुसार, जो लोग मेरे पोस्ट लाइक करते हैं, वे उन लोगों की तुलना में ज्यादा खुश, ज्यादा इंटेलिजेंट और बेहतर दिखने वाले होते हैं, जो उन्हें लाइक नहीं करते। उनके इस मजाकिया और

आत्मविश्वास से भरे कैप्शन ने सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोरीं और फैंस ने इस पर जमकर प्यार लुटाया। काजोल के अभिनय सफर की बात करें तो उन्होंने साल 1992 में फिल्म बेखुदी से अपने करियर की शुरुआत की थी।

इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और लगातार कई सफल फिल्मों में काम किया, जिनमें बाजीगर, दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे, करण अर्जुन, गुप्त, प्यार तो होना ही था, कुछ कुछ होता है, कभी खुशी कभी गम, फना, माय नेम इज खान, दिलवाले, तान्हाजी- द अनसंग वॉरियर और हाल ही में लस्ट स्टोरीज 2 जैसी फिल्में शामिल हैं। उनकी इन फिल्मों ने उन्हें इंडस्ट्री में एक मजबूत मुकाम दिलाया। खासकर, उनकी जोड़ी को अभिनेता शाहरुख खान के साथ सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है, और यह जोड़ी बॉलीवुड की सबसे आइकॉनिक जोड़ियों में से एक मानी जाती है। काजोल मशहूर अभिनेत्री तनुजा और दिवंगत फिल्म निर्माता शोमू मुखर्जी की बेटी हैं, जिससे वह फिल्मी परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उन्होंने साल 1999 में अभिनेता अजय देवगन से शादी की।

सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार की स्थापना के पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जशपुर जिले में 29 जून से 6 जुलाई 2026 तक सहकारी सप्ताह के अंतर्गत जिले की प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान किसानों एवं समिति सदस्यों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), रूपे केसीसी कार्ड तथा माइक्रो एटीएम कार्ड वितरित किए गए।

दूधाधारी मठ की 30 एकड़ जमीन का मामला पहुंचा हाईकोर्ट, 20 साल बाद भी नहीं मिला बदले में भूखंड

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी रायपुर के अंतरराज्यीय बस स्टैंड के निर्माण के लिए करीब दो दशक पहले दूधाधारी मठ ट्रस्ट से ली गई 30 एकड़ जमीन के बदले अब तक दूसरी जमीन नहीं मिलने का मामला हाईकोर्ट पहुंच गया है। ट्रस्ट की याचिका पर सुनवाई करते हुए छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को नोटिस जारी किया है।

जानकारी के अनुसार, वर्ष 2007-08 में तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह की पहल पर रावणभाठा में अंतरराज्यीय बस स्टैंड निर्माण के लिए दूधाधारी मठ ट्रस्ट ने अपनी 30 एकड़ जमीन देने पर सहमति दी थी। समझौते के तहत ट्रस्ट को नवा रायपुर में जमीन देने और बस स्टैंड परिसर में बनने वाले कॉम्प्लेक्स की आधी दुकानें देने का आश्वासन दिया गया था। इसके बाद ट्रस्ट ने जमीन नगर निगम को सौंप दी, लेकिन निर्माण कार्य बीच में रुक गया।

बाद में जमीन का लैंड यूज बदलकर अंतरराज्यीय बस स्टैंड का निर्माण पूरा किया गया और इसका नाम भी दूधाधारी मठ के नाम पर रखा गया। हालांकि, ट्रस्ट को बदले में न तो जमीन मिली और न ही वादे के अनुरूप लाभ। भूपेश बघेल सरकार के दौरान नवा रायपुर में जमीन आवंटन की प्रक्रिया शुरू होने की बात कही गई, लेकिन मामला कागजी कार्रवाई तक ही सीमित रहा। सरकार बदलने के बाद भी समाधान नहीं निकला। ट्रस्ट ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी से भी मुलाकात की, लेकिन कोई ठोस परिणाम नहीं निकला। इसके बाद ट्रस्ट ने हाईकोर्ट का रुख किया।

दुकानों के आवंटन पर भी उठाए सवाल

दूधाधारी मठ ट्रस्ट ने बस स्टैंड परिसर की दुकानों के आवंटन में भी अनियमितता का आरोप लगाया है। ट्रस्ट का दावा है कि समझौते के तहत उसे 14 दुकानें मिलनी थीं, लेकिन सात दुकानों को विभाजित कर 14 दुकानें दिखा दी गईं। ट्रस्ट का कहना है कि बिजली मीटर स्वीकृति के दौरान पता चला कि केवल सात दुकानों के लिए ही मीटर स्वीकृत किए गए थे। इन सभी तथ्यों का उल्लेख ट्रस्ट ने अपनी हाईकोर्ट में दायर याचिका में किया है।

अनियंत्रित हाइवा 20 फीट गहरे नाले में गिरा, चालक बाल-बाल बचा

कोरबा, (आरएनएस)। जिले के इमलीडुग्गू बाईपास मार्ग पर शुक्रवार देर रात एक तेज रफ्तार हाइवा अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे करीब 20 फीट गहरे नाले में जा गिरा। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वाहन चलाते समय चालक को नींद की झपकी आने से हादसा हुआ।

दुर्घटना की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और चालक को सुरक्षित बाहर निकाला। राहत की बात यह रही कि हादसे में चालक को कोई गंभीर चोट नहीं आई और वह बाल-बाल बच गया। घटना के बाद कुछ समय के लिए मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। यह हादसा लंबी दूरी तय करने वाले भारी वाहनों के चालकों में थकान और नींद की समस्या को एक बार फिर उजागर करता है।

आकाशीय बिजली का कहरः खेत में गिरी बिजली, पिता की मौत, पुत्र बेहोश

कोरब (आरएनएस)। जिले के उरगा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम तुमान में शुक्रवार को आकाशीय बिजली गिरने से दर्दनाक हादसा हो गया। खेत में कृषि कार्य कर रहे पिता-पुत्र इसकी चपेट में आ गए। हादसे में पिता की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पुत्र बेहोश हो गया।

जानकारी के अनुसार, मनीराम पटेल अपने पुत्र धनेसवर पटेल के साथ खेत में काम कर रहे थे। मनीराम खेत की मेड़ पर खड़े थे, जबकि धनेसवर खेत में कृषि कार्य कर रहा था। इसी दौरान तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिरने से दोनों इसकी चपेट में आ गए। घटना के बाद धनेसवर कुछ समय तक बेहोश रहा। होश आने पर उसने तत्काल 108 एंबुलेंस की सहायता से अपने पिता को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मनीराम पटेल को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही उरगा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी। घटना के बाद ग्राम तुमान सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है।

प्रशासन ने बारिश और गरज-चमक के मौसम को देखते हुए लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान खुले खेतों, पेड़ों और ऊंचे स्थानों पर जाने से बचें तथा सुरक्षित स्थान पर ही शरण लें।

21 साल बाद फिर गूंजी स्कूल की घंटी, बीजापुर के 37 बंद विद्यालयों में लौटी बच्चों की मुस्कान

नक्सल प्रभावित बीजापुर में शिक्षा की नई सुबह, 37 बंद स्कूल दोबारा खुले

बीजापुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले से शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक और प्रेरणादायक तस्वीर सामने आई है। वर्ष 2005 से बंद पड़े 37 विद्यालयों का दोबारा संचालन शुरू कर दिया गया है। इनमें पीडिया क्षेत्र के 11 स्कूल भी शामिल हैं, जहां 21 साल बाद फिर से स्कूल की घंटी गूंजी और बच्चों की किलकारियों से परिसर गुलजार हो उठा। जिला स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव के दौरान नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। बच्चों को गणवेश, स्कूल बैग और अध्ययन सामग्री वितरित की गई। इस दौरान छात्र-छात्राओं और अभिभावकों में विशेष उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर बस्तर सांसद महेश कश्यप, जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन के अधिकारियों की मौजूदगी में शिक्षा को बढ़ावा देने का संकल्प दोहराया गया। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि 539 बच्चों ने नए सत्र में इन विद्यालयों में प्रवेश लिया है। जिला शिक्षा अधिकारी राजेश पांडे ने कहा कि बंद स्कूलों के पुनः संचालन से दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों के बच्चों को अब अपने गांव के पास ही शिक्षा की सुविधा मिलेगी।

बीमा पॉलिसी रिफंड के नाम पर 1.60 करोड़ की साइबर ठगी का खुलासा

दिल्ली से 3 अंतरराज्यीय आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग, (आरएनएस)। रेंज साइबर थाना दुर्ग पुलिस ने बीमा पॉलिसी की राशि रिफंड कराने का झांसा देकर लगभग 1 करोड़ 60 लाख रुपये की साइबर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के तीन आरोपियों को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने खुद को बीमा लोकपाल का अधिकारी बताकर पीड़ित से विभिन्न बैंक खातों में ऑनलाइन रकम ट्रांसफर कराई थी।

पुलिस के अनुसार, रेंज साइबर थाना में दर्ज अपराध क्रमांक 03/2026 के तहत विवेचना के दौरान तकनीकी साक्ष्यों, बैंक खातों के विश्लेषण और वित्तीय लेनदेन की जांच के आधार पर आरोपियों की पहचान की गई। इसके बाद विशेष टीम दिल्ली भेजी गई, जहां से मनमीत सिंह (42), ईशांत माहे उर्फ ईशु (37) और अमनदीप सिंह (33) को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने दिल्ली के तीस हजारी न्यायालय से ट्रांजिट रिमांड प्राप्त कर आरोपियों को दुर्ग लाया।

पूछताछ में आरोपियों ने पैसों के लालच में अपने बैंक खाते खुलवाकर उन्हें साइबर ठगी में उपयोग के लिए उपलब्ध कराना स्वीकार किया। जांच में यह भी सामने आया कि इन बैंक खातों का इस्तेमाल एक विदेशी (नाइजीरियन) साइबर ठगी नेटवर्क द्वारा किया जा रहा था। आरोपियों के बैंक खातों में करोड़ों रुपये के संदिग्ध लेनदेन मिले हैं तथा विभिन्न राज्यों में इनके खिलाफ साइबर ठगी से संबंधित शिकायतें भी दर्ज हैं।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 3 मोबाइल फोन, 6 बैंक पासबुक, 4 चेकबुक और विभिन्न सिम कार्ड बरामद किए हैं, जिनका उपयोग साइबर अपराध में किया जा रहा था। मामले में पहले एक बैंक खाताधारक की गिरफ्तारी हो चुकी है और अब नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

भाजपा नेता पर हमलाः फरार 5 आरोपियों को पुलिस ने लिया गिरफ्त में

प्रतिबंधित काम करने पर हुई थी शिकायत

कोरबा, (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के महामंत्री पर किए गए हमले की घटना को लेकर बालको नगर पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से दो बाप बेटे हैं। भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में पुलिस ने पहले ही अपराध दर्ज कर लिया था घटना के बाद फरार हुए आरोपियों की तलाश की गई। आज इन्हें कोर्ट में पेश करने के बाद जेल शिफ्ट करने की कार्रवाई की।

भुलसीडीह गांव में भाजपा किसान मोर्चा मंडल कोरबा के मंत्री कपिलेश्वर धीरज पर कुछ लोगों ने हमला कर जख्मी कर दिया। इनसें 60 हजार रुपए लूट लिए गए। पीडित को जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कपिलेश्वर धीरज बुधवार देर रात निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज के पास स्थित अपनी दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। इसी दौरान गांव के कुछ लोगों ने उनका रास्ता रोक लिया। पीडित का आरोप है कि आरोपियों ने उनकी कार में तोडफोड़ की और लाठी-डंडों से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मारपीट के दौरान 60 हजार रुपये नकद भी ले लिए गए। कपिलेश्वर धीरज का कहना है कि उन्होंने निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज परिसर में बाहरी मजदूरों के बीच गांजा व अन्य नशीले पदार्थों की कथित सप्लाई का विरोध किया था। उनका आरोप है कि इसी रंजिश के चलते उन पर हमला किया गया।

बालको नगर पुलिस ने बताया कि इस प्रकरण में रजगामार के रहने वाले अरुण रात्रे,लक्ष्मी रात्रे, गोरेलाल टंडन, संदीप महिलांगे और अनिल चैहान को गिरफ्तार किया गया है। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी भाग खड़े हुए थे।

इससे पहले 15 जून को सिविल लाइन थाना क्षेत्र के अंतर्गत रज्जाक अली और उसके दो सहयोगियों ने लाठी-डंडा और रॉड से हमला कर मलकू नगर भाजपा मंडल के पूर्व अध्यक्ष शिव बालक सिंह तोमर को जान से मारने की कोशिश की थी। हिस्ट्रीशीटर रज्जाक अली और उसके सहयोगी हमलावरों को बीएनएस की कई धाराओं में गिरफ्तार कर जिला जेल में रखा गया है। इसके साथ ही पुलिस ने उसके पिछले जरायम रिकार्ड को रिओपन करते हुए उसके खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के अंतर्गत कड़ी कार्यवाही करने का प्रस्ताव जिला दण्डाधिकारी को भेजा है।

बड़ी राहत : आवाजाही के लिए खुला तान नदी ब्रिज

रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया मरम्मत कार्य

रायपुर, (आरएनएस)। कटघोरा से अंबिकापुर के बीच यात्रा करने वाले लोगों के लिए राहत की खबर है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने राष्ट्रीय राजमार्ग-130 के कटघोरा-शिवनगर खंड पर गुरसियाँ स्थित तान नदी ब्रिज को मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद आम यातायात के लिए पुनः खोल दिया है। परियोजना कार्यान्वयन इकाई, बिलासपुर के परियोजना निदेशक मुकेश कुमार ने बताया कि आगामी मानसून को ध्यान में रखते हुए ब्रिज की आवश्यक संरचनात्मक मरम्मत रिकॉर्ड समय में पूरी कर ली गई है। इसके साथ ही इस मार्ग पर यातायात पुनः पूर्ण क्षमता के साथ सुरक्षित एवं सुचारु रूप से संचालित किया जा रहा है। पुल की रेलिंग के बचे कार्य को कुछ दिनों में पूरा कर लिया जाएगा।

खेल समाचार

फीफा वर्ल्ड कप : स्विट्जरलैंड ने अल्जीरिया को 2-0 से हराकर राउंड ऑफ 16 में बनाई जगह

वैंकूवर (ए.)। स्विट्जरलैंड ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली है। बीसी प्लेस स्टेडियम में हुए राउंड ऑफ 32 के मुकाबले में स्विट्जरलैंड ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अल्जीरिया को 2-0 से हराया।

स्विट्जरलैंड की ओर से इस मुकाबले में ब्रील एम्बोलो और डैन नडोये ने गोल दागे। मैच की शुरुआत से ही स्विट्जरलैंड ने आक्रामक खेल दिखाया। 10वें मिनट में जोहान मंजांबी ने शानदार दौड़ लगाते हुए गेंद को पेनल्टी बॉक्स के अंदर पहुंचाया। मंजांबी से मिले पास को ब्रील एम्बोलो ने गोल में तब्दील करके स्विट्जरलैंड को 1-0 की बढ़त दिलाई। पहले हाफ में अल्जीरिया ने भी कुछ अच्छे हमले किए, लेकिन टीम स्विट्जरलैंड के डिफेंस को नहीं भेद सकी।

दूसरे हाफ की शुरुआत होते ही स्विट्जरलैंड ने अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। खेल शुरू होने के एक मिनट के अंदर ही डेनिस जकारिया का क्रॉस अल्जीरिया की टीम ठीक से क्लियर नहीं कर सकी। गेंद डैन नडोये के पास पहुंची, जिन्होंने पेनल्टी बॉक्स के बाहर से शानदार शॉट लगाकर गेंद को गोल पोस्ट में भेज दिया। यह वर्ल्ड कप में नडोये का पहला गोल था और उन्होंने खास अंदाज में इसका जश्न मनाया।

2-0 से पीछे होने के बाद अल्जीरिया मैच में वापसी नहीं कर सका। टीम ने कुछ कोशिशें जरूर कीं, लेकिन वह कोई बड़ा मौका नहीं बना पाई। दूसरी ओर स्विट्जरलैंड ने पूरे मैच में गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और अपनी बढ़त सुरक्षित रखी। इस जीत के साथ स्विट्जरलैंड ने वर्ल्ड कप में लगातार तीसरी जीत दर्ज की। इससे पहले, टीम ने ग्रुप चरण में बोस्निया और हर्जेगोविना तथा कनाडा को हराया था। यह पहला मौका है जब स्विट्जरलैंड ने वर्ल्ड कप में लगातार तीन मैच जीते हैं।

स्विट्जरलैंड 17 मुकाबलों में सिर्फ एक हार के साथ इस मैच में उतरा था, और टीम ने अपनी जबरदस्त लय को अल्जीरिया के खिलाफ भी बनाए रखा। अब स्विट्जरलैंड का अगला मुकाबला 7 जुलाई को कोलंबिया और घाना के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। इस मुकाबले की मेजबानी भी वैंकूवर ही करेगा। स्विट्जरलैंड लगातार तीसरी बार वैंकूवर में खेलेगा, और टीम की निगाहें जीत की हैट्रिक पर होंगी।

वैभव को जगह देने सैमसन या ईशान को हटाने के पक्ष में नहीं पुजारा

नई दिल्ली (ए.)। पूर्व क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि जिस प्रकार से उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में अवसर देने के लिए संजू सैमसन, ईशान किशन या किसी अन्य अनुभवी खिलाड़ी को बाहर किये जाने के सुझाव दिये जा रहे हैं। उससे वह सहमत नहीं हैं। पुजारा के अनुसार वैभव को शामिल करने के लिए सैमसन जैसे विकेटकीपर बल्लेबाज को बाहर किये जाने के बारे में सोचना भी नहीं चाहिये। उन्होंने कहा कि सैमसन जैसे खिलाड़ी को अभी लंबे समय तक टीम में बनाये रखना चाहिये। पुजारा ने कहा, मुझे लगता है कि भारतीय टीम को सैमसन के साथ बने रहना चाहिए। उन्हें वैभव के कारण किसी तरह का दबाव महसूस नहीं करना चाहिए। उन्होंने अपनी प्रतिभा से अपने को साबित किया है और उनकी जगह अंतिम ग्यारह में बनी रहनी चाहिये। इस प्रकर की मांग करना की सैमसन को बारहर बैठा दिया जाये कहीं से ही सही नहीं है। वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और उन्हें लंबे समय तक खेलने का अवसर मिले। साथ ही कहा कि वैभव को जगह देने के लिए किसी भी स्थापित सीनियर खिलाड़ी को बाहर करना गलत होगा।

एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले 5 कप्तानों में भारत के शुभमन और गावस्कर भी शामिल

मुम्बई (ए.)। क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप, टेस्ट मैच में कप्तानी और बल्लेबाजी का संतुलन बनाए रखना किसी भी खिलाड़ी के लिए एक बड़ी चुनौती होती है। लेकिन कुछ ऐसे दिग्गज कप्तान हुए हैं, जिन्होंने अपनी टीम की अगुवाई करते हुए बल्ले से भी रनों का अंबार लगाया और एक ही सीरीज में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया है, इसमें दो भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर और शुभमन गिल भी शामिल हैं। इस सूची में सबसे ऊपर ऑस्ट्रेलियाई कप्तान सर डॉन ब्रैडमैन का नाम आता है, जिनके नाम एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने का विश्व रिकॉर्ड दर्ज है।

सर डॉन ब्रैडमैन ने साल 1936-37 में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई 5 मैचों की घरेलू सीरीज में यह महान रिकॉर्ड बनाया था। यह सीरीज उनके लिए कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों की अग्निपरीक्षा थी। ब्रैडमैन ने विरोधी गेंदबाजों को धवस्त करते हुए 9 पारियों में अविश्वसनीय 90.00 की औसत से 810 रन बनाए।

इस दौरान उन्होंने 3 शतक और 1 अर्धशतक जड़ा, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 270 रन रहा। भले ही वे दो बार शून्य पर आउट हुए, लेकिन उनकी इस ऐतिहासिक कप्तानी पारी ने ऑस्ट्रेलिया को मजबूत स्थिति में ला खड़ा किया। टेस्ट इतिहास में किसी कप्तान द्वारा एक सीरीज में बनाए गए यह सबसे अधिक रन हैं।

आधुनिक क्रिकेट के उभरते सितारे और भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने भी इसमें अपना नाम दर्ज कराया है। साल 2025 में इंग्लैंड दौरे पर एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के दौरान गिल ने कप्तानी के दबाव को बाहर करते हुए इंग्लैंड की तेज पिचों पर रनों की नई परिभाषा लिखी। 5 मैचों की 10 पारियों में उन्होंने 75.40 की औसत से 754 रन बनाए। इस सीरीज में शुभमन ने कमाल की निरंतरता दिखाते हुए 4 शानदार शतक लगाये, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 269 रन रहा। वे इस सीरीज में एक बार भी बिना खाता खोले आउट नहीं हुए, जो उनकी बेहतरीन बल्लेबाजी का प्रमाण है।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ग्राहम गूच ने साल 1990 में भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज में रनों का पहाड़ खड़ा किया था। यह सीरीज सिर्फ 3 मैचों की थी, लेकिन गूच ने सिर्फ 6 पारियों में ही 125.33 की हैरतअंगेज औसत से 752 रन बनाकर सबको चौंका दिया था। इसी सीरीज में लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर गूच ने 333 रनों की मैराथन पारी खेली थी। उन्होंने 3 शतक और 2 अर्धशतक लगाए, जो उनकी अद्भुत कला को दर्शाता है कि कैसे उन्होंने कम मैचों में इतनी बड़ी रन संख्या हासिल की।

1985 की एशेज सीरीज में इंग्लैंड के कप्तान डेविड गावर ने अपनी क्लासिक बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को पूरी तरह लाचार कर दिया था। 6 मैचों की 9 पारियों में गावर के बल्ले से 81.33 की औसत से 732 रन निकले। अपनी टीम को फ्रंट से लीड करते हुए गावर ने 3 शतक और 1 अर्धशतक लगाया, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 215 रन रहा। गावर की इस शानदार कप्तानी पारी की बदौलत इंग्लैंड ने एशेज पर अपना कब्जा जमाया था।

वेस्टइंडीज की खूंखार गेंदबाजी के सामने लिटिल मास्टर सुनील गावस्कर ने भी बतौर कप्तान एक अविस्मरणीय प्रदर्शन किया था। साल 1978-79 में जब वेस्टइंडीज की टीम भारत दौरे पर आई, तो भारतीय कप्तान गावस्कर के सामने दुनिया के सबसे खतरनाक तेज गेंदबाजों की चुनौती थी। बिना हेलमेट के खेलने वाले गावस्कर ने 6 मैचों की 9 पारियों में 1 बार नाबाद रहते हुए 91.50 की प्रभावशाली औसत से 732 रन बनाए। गावस्कर ने इस सीरीज में 4 शतक और 1 अर्धशतक जड़ा, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 205 रन था। विंडीज के पेस अटैक के सामने एक कप्तान के तौर पर ऐसी मजबूत पारी खेलना गावस्कर के फौलादी इरादों को बयां करता है।

हम लगभग हर पहलू में शानदार थे', जीत के बाद स्पेनिश कोच ने दी अगले मुकाबलों की चेतावनी

लॉस एंजिल्स(ए.)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में स्पेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रिया को 3-0 से हराकर राउंड ऑफ 16 में जगह बनाई। इस जीत के बाद स्पेन के हेड कोच लुइस डे ला फुएंते ने टीम के प्रदर्शन को लगभग परफेक्ट बताया। हालांकि, उन्होंने साथ ही चेतावनी भी दी कि आगे के मुकाबले और भी ज्यादा चुनौतीपूर्ण होंगे।

मैच में स्पेन की ओर से पेड्रो पोरो ने अपना पहला इंटरनेशनल गोल किया, जबकि मिकेल ओयारजाबल ने दो गोल दागकर टीम को शानदार जीत दिलाई। मुकाबले में स्पेन पूरी तरह से हावी नजर आया और टीम ने ऑस्ट्रिया को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। 'सिन्हुआ' के मुताबिक डे ला फुएंते ने मैच के बाद कहा, बड़ी टीमें तब सामने आती हैं जब उनकी मौजूदगी की जरूरत होती है। मुझे लगता है कि आज हमने एक शानदार मैच देखा है। मैं खुश हूं, क्योंकि हर तरह से हम लगभग परफेक्ट रहे, लेकिन हमें सुधार करते रहना होगा। अब हर मैच बहुत मुश्किल होने वाला है। क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए स्पेन का सामना अब पुर्तगाल से 7 जुलाई को होगा। कोच ने मिकेल ओयारजाबल की खास तारीफ की। उन्होंने बताया कि ओयारजाबल ने वर्ल्ड कप नॉकआउट मैच में दो गोल करके इतिहास रच दिया है। वह 1986 के बाद पहले स्पेनिश खिलाड़ी बने हैं, जिन्होंने नॉकआउट मैच में एक से ज्यादा गोल किए हैं। इस टूर्नामेंट में ओयारजाबल अब तक चार गोल कर चुके हैं और सऊदी अरब के खिलाफ ग्रुप मैच में भी उन्होंने दो गोल किए थे।

जर्मनी के कोच जूलियन नैगल्समैन ने दिया इस्तीफा, टीम में बड़ा बदलाव तय

नई दिल्ली (ए.) । फीफा वर्ल्ड कप 2026 में जर्मनी राउंड ऑफ 32 में पैराग्वे के खिलाफ हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई। इस हार के बाद जर्मन फुटबॉल एसोसिएशन (डीएफबी) और टीम के हेड कोच जूलियन नैगल्समैन ने अपने रास्ते अलग करने का फैसला किया है।

जर्मनी के नए हेड कोच बनने की रेस में अब जुर्गेन क्लॉप का नाम सबसे आगे चल रहा है। जर्मनी की हार के बाद नैगल्समैन ने कहा था कि वह कोच के तौर पर काम करना चाहते हैं, लेकिन इसमें कोई शक नहीं है कि 59 साल के क्लॉप उस टीम की किस्मत बदलने के लिए एक बढ़िया विकल्प होंगे, जो 2018 और 2022 वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज में बाहर हो गई थी। वहीं, इस बार भी टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा।

पैराग्वे के खिलाफ जर्मनी को फीफा वर्ल्ड कप इतिहास में पहली बार पेनल्टी शूटआउट में 3-4 से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले, टीम ने वर्ल्ड कप के सभी चार पेनल्टी शूटआउट जीते थे। उनकी सटीक पेनल्टी किक इतनी मशहूर थी कि पैराग्वे के खिलाफ हुए मैच से पहले तक वर्ल्ड कप के इतिहास में सिर्फ एक जर्मन खिलाड़ी, उली स्टीलिक ही पेनल्टी शूटआउट में पेनल्टी चूके थे।

फीफा वर्ल्ड कप : पुर्तगाल की जीत बनी डिओगो जोटा को समर्पित, रोनाल्डो ने 21 नंबर की जर्सी पहनकर दिया सम्मान

टोरंटो (ए.) । फीफा वर्ल्ड कप 2026 में क्रोएशिया पर 2-1 की जीत के बाद पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो और उनकी टीम ने अपने पूर्व साथी डिओगो जोटा को भावुक श्रद्धांजलि दी। जोटा और उनके भाई आंद्रे सिल्वा की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। इस दुर्घटना के एक साल पूरा होने पर पुर्तगाल टीम ने अपने पूर्व खिलाड़ी को याद किया।

मैच के बाद रोनाल्डो ने डिओगो जोटा की नंबर 21 जर्सी पहनी और भावुक होकर आसमान की ओर इशारा किया। उनकी आंखों में आंसू थे और यह दृश्य खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों के लिए बेहद भावुक कर देने वाला था। रोनाल्डो ने बाद में 'फॉक्स' के साथ बातचीत करते हुए बताया कि टीम को मैच से पहले ही इस तारीख के महत्व का एहसास था और यह दिन उनके लिए सिर्फ एक फुटबॉल मैच नहीं था।

उन्होंने कहा कि यह बहुत खास और भावनात्मक पल था, क्योंकि टीम ने सिर्फ मैच नहीं जीता बल्कि एक ऐसे साथी की याद में जीत हासिल की जिसे वे बहुत प्यार करते थे। रोनाल्डो ने यह भी कहा कि उन्हें लगता है कि जोटा हमेशा उनके साथ मौजूद हैं और टीम ने उन्हें सबसे अच्छे तरीके से श्रद्धांजलि दी है।

डिओगो जोटा पुर्तगाल के महत्वपूर्ण खिलाड़ियों में से एक थे। उन्होंने राष्ट्रीय टीम के लिए 49 मैच खेले और 14 गोल किए। वह उस टीम का हिस्सा भी थे जिसने 2019 में यूईएफए नेशंस लीग का खिताब जीता था। अपनी मौत से कुछ हफ्ते पहले ही उन्होंने इस जीत का जश्न अपने साथियों के साथ मनाया था।

जोटा और उनके भाई आंद्रे सिल्वा की मौत पिछले साल 3 जुलाई को एक कार दुर्घटना में हुई थी। स्पेनिश पुलिस ने बताया था कि उनकी कार ओवरटेक करने की कोशिश के दौरान सड़क से उतर गई थी। इसी दौरान टायर फटने से कार में आग लग गई और दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। आंद्रे सिल्वा भी एक पेशेवर फुटबॉलर थे और पुर्तगाल के सेकंड डिवीजन क्लब पेनाफिल के लिए खेलते थे।जोटा की याद में पुर्तगाल फुटबॉल संघ ने पहले ही उनकी जर्सी नंबर 21 को उनके करीबी दोस्त और साथी खिलाड़ी रूबेन नेवेस को सौंपकर सम्मान देने का फैसला किया था।

गृह विज्ञान महाविद्यालय में खरीदी में गडबड़ी सामने आने पर नर्मदा महाविद्यालय में पूर्व में हुई खरीदी की भी होना चाहिए जांच

नर्मदापुरम (निप्र)। गृह विज्ञान महाविद्यालय में खरीदी में हुई गडबड़ी सामने आने पर नर्मदा महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य के समय में हुई खरीदी की निष्पक्ष जांच की भी मांग होने लगी है। क्योंकि सिर्फ एक ही महाविद्यालय में आई खेल सामग्री की ही जांच क्यों हुई। यहां पर नर्मदा महाविद्यालय में तो खेल प्रशाल की घोषणा पूर्व मुख्यमंत्री ने की थी। उसके बाद खेल प्रशाल तो पूरी ितरह नहीं बन सका। उसके टाइप का बनाने की कोशिश हुई है। ऐसी स्थिति में नर्मदा महाविद्यालय में भी खेल सामग्री की जमकर सामग्री की खरीदी होती रही है। गडबड़ी हुई या नहीं हुई उसका खुलासा तो जांच के बाद ही सामने आ सकता है। यदि पूर्व प्राचार्य सेवा निवृत्त हो चुके हैं तो खरीदी के कागजात तो कालेज में ही हैं। उनकी विस्तृत और गहन जांच होना ही चाहिए। इतना ही नहीं सिर्फ खेल सामग्री की ही क्यों कालेज में आने वाली पूरी सामग्री की जांच होनी चाहिए। कम से कम पांच वर्ष की तो होना ही चाहिए। उसके बिल बाउचर तथा आन लाइन जो खरीदी हुई है। उसका मिलान होना चाहिए। यूजीसी से जो ग्रांड आती रही उसकी जांच होना चाहिए। जिससे दूध का दूध और पानी का पानी सामने आ सके। क्योंकि कालेजों में बड़ी मात्रा में सामग्री क्रय की जाती है। उनकी क्वालिटी और समय सीमा का भी मिलान होना चाहिए। क्योंकि कालेज में उपयोग की जाने वाली जगह पर अनेक समाग्री बार बार बदली भी जाती रही है। जैसे प्राचार्य कक्ष में सोफे कुर्सी तथा अन्य कक्षों में आने वाली सामग्री कब कब और कैंसी आई इन सब की जांच होने से स्पष्ट हो सकेगा कि क्या नर्मदा महाविद्यालय में जो सामग्री आती रही उसमें कोई गडबडी हुई या नहीं।

झमाझम मानसूनी बारिश ने किया तरबतर

नर्मदापुरम(निप्र)। मानसूनी बारिश का दौर शुरू हो गया है। रूक रूक कर कभी तेज कभी धीमी गति से बारिश हो रही है। लगातार बादल आते जाते बने रहे। सूर्यदेव की बादलों से लुकाछिपी होती रही। फिर दोपहर में घने बादल होना शुरू हो गए। शाम होने से पूर्व ही तेज बारिश होने लगी। शुक्रवार को दो बार झमाझम मानसूनी बारिश से कुछ देर गर्मी व उमस से राहत मिली। उसके बाद रात में फिर से उमस होने लगी । मौसम विभाग के अनुसार अभी इसी तरह की बारिश का दौर रूक रूक कर जारी रहेगा शुक्रवार से रविवार तक कुछ तेज बारिश के आसार बन रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव से तेज बारिश की संभावना है। उन्होने बताया कि बंगाल की खाड़ी में लो-प्रेशर बन रहा है उसका असर तेज बारिश के रूप में दिखेगा। जिससे मप्र में दो दिन बाद तेज बारशि शुरू होगी जो रविवार तक होगी। इसके अलावा हल्की बारिश का दौर तो जारी रहेगा।

हर दिन हो रही बिजली की गड़बड़ी काफी देर तक करना पड़ता है इंतजार

नर्मदापुरम(निप्र)। बीते अनेक दिनों से बिजली ने आंख मिचौली का नियम बना लिया है। शहर के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग समय बिजली जाना है तो जाना है। कहीं सुबह, कहीं दोपहर के समय कहीं शाम के समय बिजली आ -जा रही है। गुरूवार को शाम के समय हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र में शाम को बिजली गई तो रात में साड़ 8 बजे आई। इससे गर्मी और उमस का एहसास और अधिक हो रहा है। लोग कह रहे हैं कि बिजली कंपनी वालों को तो बहाना चाहिए यदि बारिश शुरू होती है तो उससे पूर्व ही बिजली चली जाती है। थोड़ी सी हवा चले तो भी बिजली गुल हो जाती है। बिन बारिश और बिन हवा के भी बिजली चली जाती है। बिल में कोई कटौती नहीं स्मार्ट मीटर लगा कर उपभोक्ताओं को ठगने का कार्य बिजली कंपनी के द्वारा किया जा रहा है। पूर्व की तुलना में अधिक बिल आ रहे हैं। जिससे उपभोक्ता खासे परेशान हैं।

प्रदेश में पहली बार नर्मदापुरम से शुरू हुआ 'प्रोजेक्ट दामिनी'

कलेक्टर सोमेश मिश्रा की अभिनव पहल, आकाशीय बिजली से बचाव के लिए जन-जागरूकता अभियान लॉन्च

नर्मदापुरम(निप्र)। मानसून के दौरान आकाशीय बिजली से होने वाली जन एवं पशुहानि को रोकने के उद्देश्य से नर्मदापुरम जिला प्रशासन ने प्रदेश में पहली बार प्रोजेक्ट दामिनी की शुरुआत की है। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट के रेवा सभा कक्ष से इस विशेष जन-जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया। यह अभियान कई चरणों में संचालित किया जाएगा, जिसके माध्यम से जिले के प्रत्येक गांव और घर तक आकाशीय बिजली से बचाव का संदेश पहुंचाया जाएगा। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कहा कि नर्मदापुरम कृषि प्रधान जिला है, जहां मानसून के दौरान किसान खेतों में कार्य करते हैं। ऐसे समय में आकाशीय बिजली गिरने का खतरा अधिक रहता है। उन्होंने कहा कि जन-जागरूकता और समय रहते सावधानी ही इस प्राकृतिक आपदा से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है। इसी उद्देश्य से जिले में व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इस अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा अभियान के मैस्कॉट इलेक्ट्रा को भी लॉन्च किया गया, जो अभियान के दौरान जन-जागरूकता का प्रमुख माध्यम बनेगा।

उन्होंने बताया कि अभियान के प्रथम चरण में व्यापक जागरूकता अभियान चलाकर आकाशीय बिजली से बचाव के उपायों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण तथा जनसंचार माध्यमों से प्रचार प्रसार एवं जिला स्तरीय कार्यशालाएं आयोजित की जाएगी। इसमें स्कूली विद्यार्थियों को भी शामिल किया गया है, ताकि वे अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी जागरूक कर सकें। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का लक्ष्य वज्रपात से होने वाली जनहानि, पशुहानि एवं आर्थिक नुकसान को न्यूनतम करना है। द्वितीय चरण में जनपद पंचायत के सभी गांव में जागरूकता कार्यक्रम तथा स्थानीय प्रशासन और पंचायत सदस्यों को प्रशिक्षण ब्लॉक लेवल प्रशिक्षण तथा स्थानीय संसाधनों का उपयोग करके कार्यक्रम का संचालन किया जाएगा। अभियान के तृतीय चरण में प्रत्येक गांव में सीधे जनता को जागरूक किया जाएगा साथ ही ग्राम स्तरीय प्रशिक्षण और कार्यशालाएं तथा आपातकालीन प्रतिक्रिया दल का गठन कर स्थानीय संसाधनों का उपयोग करके बचाव व्यवस्था को सुनिश्चित किया जाएगा।

दामिनी एप से मिलेगी वज्रपात की जानकारी

कार्यशाला में भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा विकसित दामिनी ऐप के उपयोग की विस्तृत जानकारी दी गई। बताया गया कि यह ऐप उपयोगकर्ता के स्थान से लगभग 20 किलोमीटर के दायरे में आकाशीय बिजली गिरने की संभावना की 30 से 40 मिनट पहले चेतावनी देता है। नागरिकों से अपने मोबाइल में ऐप डाउनलोड कर लोकेशन, जीपीएस और नोटिफिकेशन अलर्ट सक्रिय रखने की अपील की गई। विशेषज्ञों ने बताया कि यदि बिजली चमकने के 30 सेकंड के भीतर बादलों की गर्जना सुनाई दे तो तुरंत किसी पक्के भवन या सुरक्षित स्थान पर पहुंच जाना चाहिए तथा अंतिम गर्जना सुनने के बाद कम से कम 30 मिनट तक सुरक्षित स्थान पर ही रहना चाहिए।

अधिवक्ता संघ चुनाव के लिए अब 22 उम्मीदवार हैं मैदान में

अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष पद पर त्रिकोणीय मुकाबला

ग्रंथपाल पद के लिए सौरभ तिवारी का ही फार्म शेष रहने पर निर्विरोध की स्थिति बनी

नर्मदापुरम (निप्र)। जिला अधिवक्ता संघ के द्विवार्षिक चुनाव के लिए फार्म वापसी के दिन 5 अधिवक्ताओं ने फार्म उठा लिए हैं। अब कुल 22 उम्मीदवार मैदान में हैं। जिसमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, व कोषाध्यक्ष पद के लिए त्रिकोणीय मुकाबला की स्थिति बन गई है। सहसचिव पद के लिए आमने सामने की टक्कर होना है। वहीं कार्यकारिणी के लिए 8 प्रत्याशियों में से चयन होना है। नाम सामने आने के बाद सभी प्रत्याशियों ने समर्थन जुटाने लिए सक्रियता पूर्वक प्रयास शुरू कर दिए हैं। सोशल मीडिया पर अधिवक्ता संघ चुनाव को लेकर सरगर्मी और तेज हो गई है। जिला अधिवक्ता संघ के मुख्य निर्वाचन अधिकारी एसएस पटेल व सहायक अधिकारी राजेश अग्रवाल ने बताया कि नाम वापसी वाले दिन अध्यक्ष पद के उम्मीदवार राजीव दुबे और रामकुमार गुबरेले ने नाम वापस ले लिया है। वहीं उपाध्यक्ष पद के उम्मीदवार प्रकाश दुबे, सुंदर लाल वर्मा ने सह सचिव पद के लिए राकेश बाथरे ने फार्म नाम वापस ले लिया है। ग्रंथपाल पद के लिए सौरभ तिवारी एक मात्र प्रत्याशी होने से उन्हें निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया है। फार्म उठाए जाने के पश्चात अब जो प्रत्याशी मैदान में हैं उनमें

अध्यक्ष पद के लिए अजय प्रकाश श्रीवास्तव, मनोज जराठे, व सुरेंद्र सिंह राजपूत के बीच टक्कर होना है। वहीं उपाध्यक्ष पद के लिए दिलीप सिंह ठाकुर, केशव सिंह चौहान, और नीरज कुमार पटेल मैंदान में हैं।

सचिव पद के लिए आशीष सिंह ठाकुर, अनुपम दुबे व मोहन लाल यादव के बीच मुकाबला होना है। सहसचिव पद के लिए राकेश शर्मा, और सीके कुरापा, के बीच सीधी टक्कर है। महिला के लिए आरक्षित कोषाध्यक्ष पद के लिए श्रीमती गुरप्रीत सिंह कौर, कुमारी प्रमिला शर्मा सुश्री शमशाद खान के बीच चुनाव होना है। कार्यकारिणी पद हेतु श्रीकांत रघुवंशी, श्रीमती नीता चौधरी, बालकराम अहिरवार, लखन लाल कीर, प्रशांत गोहला, श्रीमती दीप्ति राठौर, आनंद गिरी व सलोनी अग्रवाल मैदान में हैं।

श्री पटेल एवं वरिष्ठ अधिवक्ताओं के मार्गदर्शन में सहायक निर्वाचन अधिकारी निष्पक्ष रूप से चुनावी प्रक्रिया को पूर्ण करने में जुटे हुए हैं। 15 जुलाई को प्रात: 9 बजे से मतदान शुरू हो जाएगा। जिला अधिवक्ता संघ के उप निर्वाचन अधिकारी टीएस चौहान सहायक निर्वाचन अधिकारी राजेश अग्रवाल, रामकुमार दुबे, अभिषेक शुक्ला, प्रशांत पालीवाल और संजेश राजपूत चुनाव संबंधी कार्य में जुटे हुए हैं। इस दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता एसएस ठाकुरए एमएस चौहान रमेश परिहार एवं केके जराठे सहित अन्य वरिष्ठ अधिवक्ता अपनी उपस्थिति दे रहे हैं।

में नैतिक शिक्षा एवं नशा मुक्ति पर जागरुकता कार्यक्रम संपन्न

होम साइंस कॉलेज नर्मदापुरम में हुआ आयोजन

नर्मदापुरम, (निप्र)। शासकीय स्नातकोत्तर होम साइंस कॉलेज नर्मदापुरम में अखिल विश्व गायत्री परिवारए शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में नैतिक शिक्षा एवं नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में नैतिक मूल्यों का विकास करनाए नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश देना था। कार्यक्रम में गायत्री परिवार के उमेश कुमार सिंह एवं शिव कुमार विश्वकर्मा ने छात्राओं को नैतिक जीवन भारतीय संस्कृति चरित्र निर्माण तथा नशे के दुष्प्रभावों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि युवाओं में नैतिक संस्कार एवं सकारात्मक जीवन.दृष्टि का विकास ही स्वस्थ एवं सशक्त समाज की आधारशिला है। साथ ही उन्होंने छात्राओं से स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार एवं समाज को भी नशामुक्त बनाने का आह्वान किया इस अवसर पर राजनीति शास्त्र विभाग के डॉ दुर्गेश साहूए जिला संगठक डॉ हर्षा चाचाने तथा राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी सुश्री पूजा गोस्वामी विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

सभी वक्ताओं ने छात्राओं को नैतिक मूल्यों को अपनाने समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने तथा नशामुक्त भारत के निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में लगभग 25 छात्राओं ने भागीदारी की।

बालागंज में आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, 38 पेटी अवैध देशी-विदेशी मदिरा जब्त

नर्मदापुरम(निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में अवैध शराब के निर्माण, विक्रय, परिवहन एवं संग्रहण के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक श्री साईं कृष्ण थोटा के मार्गदर्शन में नवागत जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी की टीम ने शुक्रवार को आबकारी विभाग द्वारा नर्मदापुरम शहर के बालागंज क्षेत्र में आकस्मिक दबिश देकर बड़ी कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1)(क) एवं 34(2) के तहत आरोपी संगीता पत्नी महेंद्र मेषकर के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर 33 पेटी देशी एवं विदेशी मदिरा जब्त की गई।

मिशन वात्सल्य के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी विभाग समन्वय से करें कार्य : कलेक्टर सोमेश मिश्रा

नर्मदापुरम(निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट के रेवा सभा कक्ष में जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में मिशन वात्सल्य के प्रभावी क्रियान्वयन, देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों के कल्याण तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर योजनाओं के बेहतर संचालन पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर श्री मिश्रा द्वारा निर्देशित किया गया कि जिले में बल ग्रह स्थापित किए जाने के लिए शासन स्तर पर प्रस्ताव प्रेषित किए जाएं। उन्होंने निर्देशित किया कि बच्चों के दस्तावेज तैयार किए जाने में आ रही दिक्कतों का तत्परता से समाधान किया जाए उन्होंने जिला पंचायत सीईओ को निर्देशित किया कि टीम का गठन कर उक्त समस्या के निराकरण हेतु आवश्यक एवं प्रभावी कदम उठाए जाएं।

बैठक के दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास संजय कुमार जैन ने पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जिले में मिशन वात्सल्य के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं तथा देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों के लिए संचालित संस्थाओं की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने बैठक में निर्देश दिए कि बाल देखरेख संस्थाओं में निवासरत प्रत्येक बच्चे के सभी आवश्यक दस्तावेज समयबद्ध रूप से तैयार कराए जाएं, ताकि उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ सुगमता से प्राप्त हो सके।

नर्मदापुरम जिले में खरीफ सीजन के लिए उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता, किसानों से ई-विकास पोर्टल के माध्यम से बुकिंग कर उर्वरक लेने की अपील

नर्मदापुरम (निप्र)। उपसंचालक कृषि ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में खरीफ सीजन के दौरान किसानों को उर्वरकों की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। वर्तमान में जिले में यूरिया, एनपीके, टीएसपी एवं अन्य उर्वरकों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है तथा उर्वरकों की किसी प्रकार की कमी नहीं है। उन्होंने बताया कि जिले को पिपरिया रैक प्वाइंट पर शीघ्र ही लगभग 6,000 मीट्रिक टन यूरिया प्राप्त होने वाला है, जिससे आगामी दिनों में भी उर्वरकों की उपलब्धता और सुदृढ़ होगी। उन्होंने बताया कि खरीफ सीजन में अब तक जिले को 31,686 मीट्रिक टन यूरिया, 9,988 मीट्रिक टन टीएसपी तथा 17,221 मीट्रिक टन एनपीके उर्वरक प्राप्त हो चुके हैं।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस कल

जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का होगा आयोजन

नर्मदापुरम (निप्र)। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित पुण्य स्मरण कार्यक्रम के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी द्वारा 5 जुलाई रविवार को प्रात: 10 बजे परमशी गार्डन नर्मदापुरम में जिला स्तरीय विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती प्रीति शुक्ला ने जिले के सभी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से सम्मेलन में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन संगठन की आगामी गतिविधियों एवं कार्यकर्ता संवाद की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगा। सम्मेलन में संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की सहभागिता रहेगी। जिलाध्यक्ष श्रीमती प्रीति शुक्ला ने सभी मंडलों एवं मोर्चा के पदाधिकारियों से अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया है। सम्मेलन के माध्यम से डॉण् श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्र सेवा राष्ट्रवाद एवं एकात्मता के विचारों का स्मरण करते हुए कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक दायित्वों के प्रति प्रेरित किया जाएगा। उक्त जानकारी जिला मीडिया प्रभारी अमित माहला ने दी।

खुशियों की दास्तां

संपर्क अभियान बना आमजन के लिए राहत का माध्यम

शिविर में मात्र 5 रुपये में मिला नया बिजली कनेक्शन उपभोक्ता की समस्या का हुआ तत्काल समाधान

नर्मदापुरम(निप्र)। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा संचालित संपर्क अभियान के अंतर्गत आयोजित शिविरों में उपभोक्ताओं की विद्युत संबंधी समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा रहा है। इसी क्रम में सेमरी हरचंद वितरण केंद्र अंतर्गत ग्राम बोरी निवासी इंदर ठाकुर को शिविर में तत्काल नया बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराया गया। इंदर ठाकुर को नवीन विद्युत कनेक्शन की आवश्यकता थी। उन्होंने संपर्क शिविर में पहुंचकर आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किए तथा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार मात्र 5 रुपये का आवेदन शुल्क जमा कर नया कनेक्शन प्राप्त करने के लिए आवेदन किया। शिविर में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने आवेदन का त्वरित परीक्षण कर आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कीं और मौके पर ही उन्हें नया बिजली कनेक्शन उपलब्ध करा दिया। इससे उनकी लंबे समय से चली आ रही समस्या का तत्काल समाधान हो गया। इंदर ठाकुर ने संपर्क अभियान की सराहना करते हुए कहा कि शिविर के माध्यम से बिना किसी अनावश्यक परेशानी के उनकी समस्या का शीघ्र निराकरण हुआ। उन्होंने उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए इस प्रकार के शिविर आयोजित करने पर विद्युत वितरण कंपनी का आभार व्यक्त किया।

कन्या विद्यालय में सिंगल यूज़ प्लास्टिक उन्मूलन एवं वेस्ट मैनेजमेंट पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

नर्मदापुरम(निप्र)। नर्मदापुरम कलेक्टर सोमेश मिश्रा के मार्गदर्शन में नगर पालिका परिषद सोहागपुर द्वारा नगर के शासकीय कन्या विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए सिंगल यूज़ प्लास्टिक उन्मूलन एवं ठोस अपशिष्ट (वेस्ट) प्रबंधन विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं कचरा प्रबंधन के प्रति जागरूकता विकसित करना था। कार्यक्रम में छात्राओं को सिंगल यूज़ प्लास्टिक के पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए इसके उपयोग से बचने की अपील की गई। साथ ही ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की वैज्ञानिक प्रक्रिया, गीले एवं सूखे कचरे के पृथक्करण, पुन: उपयोग (Reuse) एवं पुनर्चक्रण (Recycle) के महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया।

कलेक्टर के निर्देश पर ग्राम तालनगरी में चला विशेष स्वच्छता अभियान

नर्मदापुरम(ए.)। आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में जलभराव एवं संभावित बाढ़ की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम पंचायत तालनगरी में जलभराव एवं गंदगी की समस्या की रोकथाम के उद्देश्य से विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। ग्राम पंचायत सचिव मेघश्याम वर्मा एवं सरपंच दुलीचंद दायमा के नेतृत्व में ग्राम के प्रमुख मार्गों, नालियों तथा सार्वजनिक स्थलों की व्यापक साफ-सफाई कराई गई। अभियान के दौरान नालियों में जमा कचरा एवं गाद को हटाकर जल निकासी व्यवस्था को सुचारु बनाया गया, जिससे वर्षा के दौरान पानी का ठहराव न हो तथा ग्रामीणों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध हो सके।

अभियान में पंचायत के कर्मचारियों के साथ ग्रामीणों ने भी श्रमदान कर सक्रिय सहभागिता निभाई। इस दौरान ग्रामीणों से अपने घरों एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने तथा कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालने की अपील की गई।

ग्राम पंचायत द्वारा बताया गया कि वर्षाकाल में जलजनित बीमारियों की रोकथाम, स्वच्छ वातावरण के संरक्षण तथा जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के उद्देश्य से इस प्रकार के स्वच्छता अभियान निरंतर संचालित किए जाएंगे। ग्रामवासियों ने भी अभियान की सराहना करते हुए स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुंदर ग्राम के निर्माण में अपना सक्रिय सहयोग देने का संकल्प लिया।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com